22 फरवरी 2026
रविवार

केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

मानकों से खिलवाड़ : बक्सर-कोईलवर तटबंध की मरम्मत में रेत की जगह डाली जा रही है मिट्टी भरी बोरियां

2

एक नजर

कर्नाटक में 5 लाख रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़े गए भाजपा विधायक

नई दिल्ली। कर्नाटक के शिरहट्टी विधानसभा क्षेत्र से भाजपा विधायक चंद्रू लमानी को कर्नाटक लोकायुक्त ने गिरफ्तार किया है। उन पर आरोप है कि वे 5 लाख रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़े गए। अधिकारियों ने बताया कि लमानी को पकड़ने के लिए एक जाल बिछाया था, फिर पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया और उसके बाद उन्हें औपचारिक रूप से गिरफ्तार कर लिया गया। इस मामले में उनके दो पर्सनल असिस्टेंट को भी हिरासत में लिया गया है। लोकायुक्त अधिकारियों के अनुसार, यह रिश्वत कथित तौर पर गडग जिले में छोटे सिंचाई विभाग के एक प्रोजेक्ट से जुड़ी मंजूरी दिलाने के लिए मांगी गई थी। इस काम के तहत सड़क के दोनों तरफ एक रिटेनिंग वॉल (सहायक दीवार) बनाना था। शिकायत करने वाले गडग के क्लास-1 कॉन्ट्रैक्टर विजय पुजार से जब कथित तौर पर प्रोजेक्ट के लिए मंजूरी लेने के लिए 11 लाख रुपये रिश्वत की मांग की गई, जिसके बाद उन्होंने एंटी-करप्शन अधिकारियों से संपर्क किया।

क्वालिटी टेस्ट में 240 दवाओं के सैंपल फेल

नई दिल्ली। केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन ने जनवरी माह की मासिक रिपोर्ट जारी की है, जिसमें दवाओं की क्वालिटी को लेकर चौंकाने वाले आंकड़े सामने आए हैं। जांच के दौरान कुल 240 दवाओं के सैंपल मानक से कम क्वालिटी वाले पाए गए हैं। इनमें से 68 दवाओं को केंद्रीय दवा प्रयोगशालाओं ने 172 दवाओं को राज्य दवा परीक्षण प्रयोगशालाओं ने कम क्वालिटी घोषित किया है। केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन हर महीने दवाओं की शुद्धता सुनिश्चित करने के लिए यह रिपोर्ट अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर जारी करता है। नियमों के अनुसार, किसी दवा को कम क्वालिटी तब घोषित किया जाता है जब वह तय मानकों में से किसी एक या उससे अधिक मानकों पर खरी नहीं उतरती। चिंताजनक बात यह है कि इस जांच में 3 नकली दवाएं भी पकड़ी गई हैं, जो दिल्ली, उत्तराखंड और पश्चिम बंगाल से मिली हैं।

ट्रेड एक्ट 122 और 301 का प्रयोग करके ट्रंप लगाएंगे टैरिफ

- अमेरिका के सुप्रीम कोर्ट ने ट्रंप के टैरिफ को रद्द कर दिया
- अमेरिकी राष्ट्रपति के पास इस इमरजेंसी अधिकार के तहत इतने व्यापक टैरिफ लगाने का अधिकार नहीं

एजेंसी। नई दिल्ली

अमेरिका के सुप्रीम कोर्ट ने ट्रंप के टैरिफ को रद्द कर दिया है। कोर्ट का यह फैसला ट्रंप के लिए बहुत बड़ा झटका है, क्योंकि ट्रंप ने इंटरनेशनल इमरजेंसी इकोनॉमिक पावर्स एक्ट के तहत ट्रेड टैरिफ लगाए गए थे और उस आदेश को सुप्रीम कोर्ट ने यह कहते हुए खारिज किया है कि अमेरिकी राष्ट्रपति के पास इस इमरजेंसी अधिकार के तहत इतने व्यापक टैरिफ लगाने का अधिकार नहीं है, यह काम सिर्फ वहां की कांग्रेस कर सकती है। सुप्रीम कोर्ट के इस आदेश के बाद सवाल यह है कि ट्रंप ने जिन देशों पर तगड़े टैरिफ लगाए थे, क्या उनका पैसा वापस होगा। साथ ही यह भी बड़ा सवाल है कि अब ट्रंप का रुख कैसा होगा। सुप्रीम कोर्ट ने अमेरिकी राष्ट्रपति द्वारा लगाए गए व्यापक टैरिफ को तो रद्द कर दिया है, लेकिन अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप अब भी अपने अड़ियल रुख पर कायम हैं। उन्होंने यह कहा कि वे अब अपने उन अधिकारों का प्रयोग करेंगे जिनका प्रयोग अबतक अमेरिकी राष्ट्रपतियों ने बहुत कम ही किया सुप्रीम कोर्ट में मिली हार के बाद ट्रंप एक तरह से बौखला गए हैं और उन रास्तों को तलाश रहे हैं जिनके जरिए वे ट्रेड टैरिफ को दोबारा लगा सके. ट्रंप ने कोर्ट के फैसले को अपने इगो पर ले लिया है। उन्होंने कहा कि वे झुके नहीं हैं वे फेडरल कानूनों के जरिए टैरिफ को फिर वापस लेकर आएंगे. ट्रंप ने कहा कि वे सेक्शन 122 और 301 का प्रयोग करके टैरिफ को फिर से वापस लाएंगे। सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद ट्रंप ने कहा है कि वे ट्रेड एक्ट के सेक्शन 122, 301 और 232 का प्रयोग करके ट्रैरिफ को फिर से लेकर आएंगे। इन तीनों सेक्शन में 122 एक ऐसा सेक्शन है, जिसका अबतक किसी राष्ट्रपति ने प्रयोग नहीं किया है और यह सेक्शन ट्रंप को अविलंब 10 प्रतिशत टैरिफ लगाने की इजाजत देता है।

अमेरिका ने भारत पर लगाया था 50 प्रतिशत टैरिफ

इससे पहले अमेरिका ने अगस्त में भारत पर 25 प्रतिशत का जवाबी शुल्क लगाया था। बाद में रूसी कच्चे तेल की खरीद को लेकर अतिरिक्त 25 प्रतिशत शुल्क लगा दिया जिससे कुल शुल्क बढ़कर 50 प्रतिशत तक पहुंच गया। हालांकि, फरवरी महीने की शुरूआत में दोनों देशों के बीच एक अंतरिम व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने पर सहमति बनी, जिसके तहत अमेरिका शुल्क को घटाकर 18 प्रतिशत करने पर सहमत हुआ है। रूसी कच्चे तेल की खरीद के लिए लगा दंडात्मक 25 प्रतिशत शुल्क हटाया जा चुका है जबकि शेष 25 प्रतिशत शुल्क प्रभावी चल रहा था।

मानहानि केस में राहुल गांधी की भिवंडी कोर्ट में हुई पेशी

एजेंसी। नई दिल्ली

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी अपने खिलाफ दायर आरएसएस एक्टिविस्ट राजेश कुंटे की मानहानी केस के जमानत की सुनवाई के लिए भिवंडी कोर्ट जा रहे थे, तभी महाराष्ट्र के मुलुंड में भाजपा कार्यकताओं ने उन्हें काले झंडे दिखाए। प्रदर्शनकारियों ने अन्य कांग्रेस विरोधी नारों के साथ लश्कर-ए-राहुल के नारे भी लगाए। राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि का केस में आरएसएस एक्टिविस्ट राजेश कुंटे ने आरोप लगाया गया था कि कांग्रेस नेता ने दावा किया था कि महात्मा गांधी की हत्या के पीछे संघ का हाथ था। कुंटे ने इंडियन पीनल कोड के सेक्शन 500 (मानहानि) के तहत अपनी शिकायत में कहा कि झूठी टिप्पणी से आरएसएस की इमेज खराब हुई है। राहुल गांधी की भिवंडी कोर्ट में ये पेशी साल 2014 के लोकसभा चुनाव में प्रचार के दौरान राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) पर की गई एक टिप्पणी से जुड़ी है। राहुल गांधी ने तब संघ पर महात्मा गांधी की हत्या का आरोप लगाया था। इसे लेकर संघ से जुड़े राजेश कुंटे ने कांग्रेस सांसद के खिलाफ मानहानी का मुकदमा दायर कर दिया था।

सरकार की प्राथमिकता आम लोगों की जमीन संबंधी समस्याओं को जड़ से खत्म करना

31 मार्च तक निपटाएं परिमार्जन के 40 लाख आवेदन : डिप्टी सीएम

- राज्य में चल रहे भूमि सर्वेक्षण कार्य को भी बड़ी मजबूती मिलेगी

एजेंसी। पटना

बिहार सरकार राज्य की राजस्व और भूमि सुधार व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए एक्शन मोड में आ गई है। शनिवार को पत्रकारों से बातचीत करते हुए उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने साफ कर दिया कि सरकार की प्राथमिकता आम लोगों की जमीन संबंधी समस्याओं को जड़ से खत्म करना है। इसके लिए उन्होंने राजस्व कर्मचारियों और अंचलाधिकारियों को 31 मार्च तक का समय दिया है। हाल ही में हड़ताल पर गए राजस्व कर्मचारियों के लिए अच्छी खबर है। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि कर्मचारियों की मांगों, विशेषकर ग्रेड पे और अन्य आवश्यक सुविधाओं में बढ़ोतरी पर सरकार विचार करेगी। प्रधान सचिव सीके अनिल और कर्मचारियों के प्रतिनिधिमंडल के बीच हुई बातचीत के सकारात्मक परिणाम सोमवार तक सामने आने की उम्मीद है। विजय सिन्हा ने कर्मचारियों से अपील की है कि वे 31 मार्च तक निर्धारित विभागीय लक्ष्यों को पूरा करने में सहयोग दें। अभी सबसे बड़ा लक्ष्य 40 लाख परिमार्जन आवेदनों का निपटारा करना है। इससे किसानों के रजिस्ट्रेशन और भूमि सर्वेक्षण में काफी मदद मिलेगी। राजस्व कर्मचारियों की हड़ताल और उनकी मांगों पर चर्चा करते हुए उपमुख्यमंत्री ने भरोसा दिलाया कि बेहतर रिजल्ट देने वालों के ग्रेड पे और अन्य सुविधाओं में बढ़ोतरी की जाएगी। सरकार की पहली प्राथमिकता वर्तमान में परिमार्जन के 40 लाख आवेदनों का निपटारा करना है। विजय सिन्हा ने कहा कि इस लक्ष्य की प्राप्ति से न केवल किसानों के निबंधन में आसानी होगी, बल्कि राज्य में चल रहे भूमि सर्वेक्षण कार्य को भी बड़ी मजबूती मिलेगी। प्रशासनिक कसावट लाते हुए उपमुख्यमंत्री ने अंचलाधिकारियों को भी सख्त निर्देश दिए हैं। उन्होंने घोषणा की कि जो अंचलाधिकारी 31 मार्च तक उत्कृष्ट प्रदर्शन करेंगे, उन्हें डीसीएलआर के पद पर पदोन्नति देने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। इसकी संचिका मुख्यमंत्री और मुख्य सचिव तक भेजी जाएगी। वहीं, राज्य के सभी 101 डीसीएलआर को निर्देश दिया गया है कि वे अपने न्यायालयों में प्रतिदिन सुनवाई सुनिश्चित करें। अदालती व्यवस्था को आधुनिक बनाने और कानूनी किताबों के लिए प्रत्येक डीसीएलआर कोर्ट को 50-50 हजार रुपये उपलब्ध कराए गए हैं।

अधिकारियों को इनाम और नई डेडलाइन

सरकार ने काम करने वाले अधिकारियों के लिए इनाम की भी घोषणा की है। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि जो अंचलाधिकारी अच्छा प्रदर्शन करेंगे और समय पर लक्ष्य पूरा करेंगे, उन्हें डीसीएलआर के पद पर पदोन्नति दी जाएगी। इसके लिए संबंधित फाइलें मुख्यमंत्री और मुख्य सचिव तक भेजी जाएंगी।

न्यायालयों में तेजी से होगा इंसाफ

जमीन विवादों के जल्द समाधान के लिए राज्य के सभी 101 डीसीएलआर को निर्देश दिए गए हैं कि वे अपने न्यायालयों में प्रतिदिन सुनवाई करें. दाखिल-खारिज के सही मामलों को अधिकतम तीन सुनवाई में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। डीसीएलआर न्यायालयों की सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए सभी को 50-50 हजार रुपये की राशि उपलब्ध कराई गई है, ताकि वे आवश्यक किताबें और अन्य जरूरी सामान खरीद सकें. अपर समाहर्ता और प्रमंडलीय आयुक्त के स्तर पर भी लंबित मामलों को जल्द निपटाने का निर्देश दिया गया है।

31 मार्च तक देश से खत्म होगा नक्सलवाद : शाह

एजेंसी। दिसपुर

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि सीआरपीएफ के 87वें स्थापना दिवस परेड का असम में पहली बार आयोजन होना पूरे पूर्वोत्तर के लिए गर्व का क्षण है। गुवाहाटी में आयोजित परेड को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि 86 साल के इतिहास में पहली बार सीआरपीएफ की रेजिंग डे परेड पूर्वोत्तर में हो रही है, जो क्षेत्र के महत्व को दशार्ता है। शाह ने बताया कि 2019 में निर्णय लिया गया था कि यह वार्षिक परेड देश के अलग-अलग हिस्सों में आयोजित की जाएगी। परेड को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि जम्मू और कश्मीर में बल ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, जहां पत्थरबाजी की घटनाओं की संख्या घटकर शून्य हो गई है, इसके अलावा मणिपुर में जातीय हिंसा से निपटने और केवल तीन वर्षों में माओवादियों की कमर तोड़ने के लिए भी बल को तैनात किया गया था। उन्होंने कहा कि मैं सीआरपीएफ पर भरोसा कर सकता हूं और विश्वास के साथ कह सकता हूं कि हम 31 मार्च तक देश से नक्सल समस्या का सफाया कर देंगे। इससे पहले गृह मंत्री ने कछार जिले के कटिगरा स्थित भारत-बांग्लादेश सीमा क्षेत्र के नतनपुर में वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम 2.0 की शुरूआत की। इस मौके पर उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सीमावर्ती क्षेत्रों के विकास के लिए कई कदम उठाए हैं। उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम के तहत देश के 17 राज्यों के 334 ब्लॉकों और करीब 1,954 गांवों के साथ-साथ असम के 140 सीमावर्ती गांवों में विकास कार्यक्रम चलाए जाएंगे।

मिजोरम: 47.74 करोड़ रुपये की मेथामफेटामाइन गोलियां जब्त

एजेंसी। जौखाथार

भारत-म्यांमार अंतरराष्ट्रीय सीमा पर मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए असम राइफल्स ने महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है। असम राइफल्स ने जौखाथार पुलिस के साथ संयुक्त अभियान में 15.916 किलोग्राम मेथामफेटामाइन गोलियां बरामद की हैं, जिनकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत 47.74 करोड़ रुपए आंकी गई है।जानकारी के अनुसार, यह कार्रवाई शनिवार को मिजोरम के चंफाई जिले के जोखावथार स्थित क्रॉसिंग पॉइंट-क्क्क क्षेत्र में की गई। भारत-म्यांमार सीमा से सटे इस क्षेत्र में मादक पदार्थों की तस्करी की गतिविधियों को लेकर सुरक्षा एजेंसियों को पूर्व में विश्वसनीय खुफिया सूचना मिली थी। इसी आधार पर असम राइफल्स और स्थानीय पुलिस ने संयुक्त रूप से विशेष अभियान चलाया।अभियान के दौरान लक्षित स्थान के आसपास एक बाइक की संदिग्ध गतिविधि देखी गई। सुरक्षाबलों ने तत्परता दिखाते हुए इलाके की घेराबंदी की और तलाशी अभियान चलाया। तलाशी के दौरान भारी मात्रा में प्रतिबंधित मनोदैहिक पदार्थ मेथामफेटामाइन टैबलेट्स बरामद की गईं।कार्रवाई के दौरान लालरमलियाना नामक एक म्यांमार नागरिक को गिरफ्तार किया गया। उसके कब्जे से एक बाइक भी जब्त की गई, जिसका इस्तेमाल तस्करी के लिए किए जाने की आशंका है। जब्त मादक पदार्थ, आरोपी और बाइक को आगे की विस्तृत जांच तथा कानूनी कार्रवाई के लिए जोखावथार पुलिस को सौंप दिया गया है।

फोरलेन पर बेलगाम रफ्तार का कहर, दो महीनों में 20 मौतें, प्रशासन बेफिक्र

- **ओवरस्पीड, ट्रिपल राइडिंग और लेन अनुशासनहीनता से बढ़ीं दुर्घटनाएं, प्रशासन सख्ती का दावा, लोग ठोस कार्रवाई की मांग पर अड़े**

केटी न्यूज/डुमरांव

जिले से होकर गुजरने वाली बक्सर-पटना फोरलेन सड़क इन दिनों रफ्तार और लापरवाही के कारण जानलेवा साबित हो रही है। बीते दो महीनों में इस मार्ग पर हुई सड़क दुर्घटनाओं में करीब 20 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 50 से अधिक लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। मृतकों में अधिकांश बाइक सवार बताए जा रहे हैं, जिनमें बड़ी संख्या युवाओं की है। लगातार हो रहे हादसों ने कई परिवारों की खुशियां छीन ली हैं और क्षेत्र में दहशत का माहौल बना हुआ है। स्थानीय लोगों का कहना है कि फोरलेन पर निर्धारित गति सीमा का पालन नहीं हो रहा। स्पीड कंट्रोल के लिए न तो नियमित जांच दिखती है और न ही ओवरस्पीड वाहनों पर प्रभावी कार्रवाई। नतीजतन चालक बेखौफ होकर तेज रफ्तार में वाहन चला रहे हैं। खासकर दोपहिया वाहन चालकों में नियमों की अनदेखी आम हो गई है। बिना हेलमेट बाइक चलाना, एक बाइक पर तीन लोगों का बैठना और चलते वाहन पर मोबाइल का इस्तेमाल करना आम दृश्य बन चुका है। परिवहन विभाग के आंकड़े भी इस बात की पुष्टि करते हैं कि अधिकांश दुर्घटनाओं की जड़ तेज रफ्तार है। अनियंत्रित गति के कारण वाहन संतुलन खो बैठते हैं और छोटी सी चूक बड़े हादसे का रूप ले लेती है। मोटर वाहन अधिनियम में ओवरस्पीड पर भारी जुमार्ना और लाइसेंस निलंबन तक का प्रावधान है, लेकिन जमीनी स्तर पर इसका असर सीमित दिखाई देता है। हादसों के बाद कई बार स्थानीय लोग आक्रोशित होकर सड़क जाम कर देते हैं। इससे घंटों आवागमन ठप रहता है और दूर-दराज से आने-जाने वाले यात्रियों को भारी परेशानी झेलनी पड़ती है। जाम के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखना पुलिस के लिए चुनौती बन जाता है। समाजसेवी कृष्णा शर्मा का कहना है कि दुर्घटनाओं के बाद सबसे बड़ी चुनौती घायलों को समय पर अस्पताल पहुंचाने की होती है। यदि गोल्डन ऑवर में इलाज मिल जाए तो कई जानें बचाई जा सकती हैं। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि फोरलेन पर नियमित पेट्रोलिंग बढ़ाई जाए, स्पीड गन से जांच की जाए और सघन चालान अभियान चलाया जाए। एक अन्य गंभीर समस्या लेन अनुशासन की है। कई स्थानों पर भारी वाहन अचानक लेन बदल देते हैं, जिससे पीछे आ रहे वाहन चालक असंतुलित हो जाते हैं। गलत दिशा में वाहन चलाना और बिना संकेत दिए कट लेना भी दुर्घटनाओं का कारण बन रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि लेन अनुशासन और गति सीमा का सख्ती से पालन कराया जाए तो हादसों में उल्लेखनीय कमी लाई जा सकती है। यातायात नियमों की जानकारी और जागरूकता की कमी भी दुर्घटनाओं को बढ़ावा दे रही है। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में नाबालिगों द्वारा बाइक चलाना आम बात है। कई बार इनके पास ड्राइविंग लाइसेंस तक नहीं होता। अभिभावकों की लापरवाही और प्रशासनिक निगरानी की कमी इस समस्या को और गंभीर बना रही है। डुमरांव के एसडीपीओ पोलस्त कुमार का कहना है कि विभाग द्वारा समय-समय पर जागरूकता अभियान चलाए जाते हैं और हेलमेट जांच के लिए विशेष अभियान भी संचालित किए जाते हैं। नाबालिग चालकों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। हालांकि, लगातार हो रहे हादसे यह संकेत दे रहे हैं कि केवल अभियान पर्याप्त नहीं, बल्कि सतत निगरानी और कठोर प्रवर्तन की आवश्यकता है।

मानकों से खिलवाड़ : बक्सर-कोईलवर तटबंध की मरम्मत में रेत की जगह डाली जा रही है मिट्टी भरी बोरियां

- **बक्सर-कोइलवर तटबंध परियोजना में मानक से खिलवाड़ पर ग्रामीणों का फूटा गुस्सा, जांच के आदेश के बाद भी उठे सवाल**

केटी न्यूज/बक्सर

करीब 28 किलोमीटर लंबे बक्सर-कोइलवर तटबंध पर चल रहे सड़क निर्माण और कटाव रोधक कार्य को लेकर अब बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। ग्रामीणों ने निर्माण कार्य में गंभीर अनियमितता का आरोप लगाते हुए खुला विरोध शुरू कर दिया है। उनका दावा है कि जिस परियोजना को क्षेत्र को बाढ़ से सुरक्षा और विकास की नई दिशा देने के उद्देश्य से शुरू किया गया था, उसी में गुणवत्ता से समझौता किया जा रहा है।

ग्रामीणों के अनुसार, तटबंध को मजबूत करने के लिए नदी किनारे बोरी में बालू भरकर लगाने का प्रावधान है, ताकि जलधारा के दबाव से होने वाले कटाव को रोका जा सके। लेकिन मौके पर कार्य एजेंसी द्वारा बालू की जगह मिट्टी भरकर बोरी लगाने का काम किया जा रहा है। लोगों का कहना है कि मिट्टी भरी बोरियां पानी के संपर्क में आते ही बह सकती हैं या दबाव में टूट सकती हैं, जिससे तटबंध की मजबूती कमजोर पड़ जाएगी।

स्थानीय निवासियों का आरोप है कि यह सिर्फ तकनीकी चूक नहीं, बल्कि लागत बचाने के नाम पर किया जा रहा समझौता है। करोड़ों रुपये की लागत से बन रही इस महत्वाकांक्षी परियोजना में यदि गुणवत्ता पर ध्यान नहीं दिया गया तो आने वाले दिनों में इसका खामियाजा पूरे क्षेत्र को भुगतना पड़ सकता है। ग्रामीणों ने साफ कहा कि अगर समय रहते स्वतंत्र जांच नहीं कराई गई, तो वे बड़े स्तर पर आंदोलन करने को बाध्य होंगे।

उल्लेखनीय है कि पिछले वर्ष मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अपनी प्रगति यात्रा के दौरान बक्सर पहुंचकर इस परियोजना का शिलान्यास किया था। यह योजना बक्सर से कोइलवर तक तटबंध को सुदृढ़ करने और उस पर सड़क निर्माण के जरिए क्षेत्रीय संपर्क बढ़ाने के उद्देश्य से शुरू की गई थी। बाढ़ प्रभावित इलाकों के लिए इसे एक बड़ी राहत परियोजना के रूप में देखा जा रहा था।

लेकिन अब जमीनी हकीकत को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि यदि शुरूआती चरण में ही मानकों की अनदेखी हो रही है, तो भविष्य में परियोजना की विश्वसनीयता पर गंभीर असर पड़ेगा। लोगों ने मांग की है कि उच्च स्तरीय तकनीकी टीम गठित कर निर्माण सामग्री और कार्य की गुणवत्ता की जांच कराई जाए।

वहीं दूसरी ओर बाढ़ नियंत्रण विभाग ने आरोपों को सिरे से खारिज किया है। विभागीय अधिकारियों का कहना है कि निर्माण कार्य पूरी तरह से निर्धारित मानकों के अनुरूप कराया जा रहा है और गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं किया गया है। उनका दावा है कि कार्य एजेंसी को स्पष्ट दिशा-निर्देश दिए गए हैं और समय-समय पर निरीक्षण भी किया जा रहा है।

इस संबंध में बाढ़ नियंत्रण विभाग के कार्यपालक अभियंता कन्हैया लाल ने कहा कि ग्रामीणों की शिकायत को गंभीरता से लिया गया है। उन्होंने आश्वासन दिया कि पूरे मामले की जांच कराई जाएगी और यदि किसी स्तर पर गड़बड़ी पाई जाती है तो संबंधित एजेंसी या कर्मियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

हालांकि सवाल यह है कि क्या जांच महज औपचारिकता बनकर रह जाएगी या वास्तव में दोषियों पर कार्रवाई होगी। बक्सर-कोइलवर तटबंध परियोजना केवल एक निर्माण कार्य नहीं, बल्कि हजारों लोगों की सुरक्षा और भरोसे से जुड़ा मामला है। ऐसे में गुणवत्ता पर किसी भी प्रकार का समझौता न केवल प्रशासनिक लापरवाही मानी जाएगी, बल्कि यह जनहित के साथ खिलवाड़ भी होगा।

अब सबकी निगाहें प्रस्तावित जांच पर टिकी हैं। यदि आरोप सही साबित होते हैं तो यह मामला राजनीतिक और प्रशासनिक दोनों स्तर पर बड़ा मुद्दा बन सकता है।

बुनियाद केन्द्र बनेगा सीएससी सेंटर जनहित के 18 कार्य किये जाएंगे सम्पादित

केटी न्यूज/डुमरांव

जिले के लोगों को अब प्रमाण पत्र बनवाने को लेकर भटकना नहीं पड़ेगा, समाज कल्याण विभाग ने ऐसा व्यवस्था कर दिया है कि एक भवन में सारी सुविधा मुहैया करायी जाएगी। बुनियाद केन्द्र में आने वाले लाभूकों को बसुधा केन्द्र के माध्यम से सीएससी के माध्यम से संचालित होने वाली विभिन्न सेवाओं का लाभ मिलेगा। समाज कल्याण विभाग के मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी योगेश कुमार ने बुनियाद केन्द्र पर आने वाले लाभूकों को वसुधा केन्द्र के माध्यम से समाज कल्याण विभाग के अंतर्गत संचालित विभिन्न ऑनलाइन सेवाएं, आधार से संबंधित सेवाएं, तथा सीएससी के माध्यम से उपलब्ध करायी जाने वाली अन्य सूचीबद्ध सेवाएं बुनियाद केन्द्र पर अगामी 02 मार्च से शुरू हो जाएगी। इसको शुरू होते ही जिले के लोगों को किसी भी प्रकार का प्रमाण पत्र बनाने के लिये उन्हें भटकना और राशि खर्च नहीं करना पड़ेगा, सारी सुविधाएं बुनियाद केन्द्र में निःशुल्क मिलेगी। इसकी तैयारी को लेकर बुनियाद केन्द्र के अधिकारी लग गए हैं। बुनियाद केन्द्र के प्रबंधक कश्मिरी चौधरी बताया की यहां पर आने वाले लाभुकों को पात्रता के अनुसार समाजिक सुरक्षा पेंशन योजना, सम्बल योजना अंतर्गत कृत्रिम अंग एवं उपकरण ट्राई साइकिल आवेदन प्राप्त करने हेतु राज्य के सभी 101 बुनियाद केन्द्रों को यह सुविधा मिलेगी। इसके लिये विभागीय मुख्य कार्यपालक अधिकारी के आदेशानुसार कमरा, बिजली, इंभर्टर, इंटरनेट, की सारी सुविधा निःशुल्क देने का आदेश दिया गया है। सीएससी सेंटर जिसका संचालन वसुधा केन्द्र के द्वारा दिया जाएगा उसमें कुल 18 सेवाएं उपलब्ध कराया जाएगा, साथ ही प्रेशर और सुगर की जांच होगी।

बिहार विधानसभा में गूंजा बक्सर की आवाज गृह बजट के समर्थन में बोले आनंद मिश्रा

- **सशक्त और संवेदनशील पुलिस व्यवस्था को बताया सुशासन की आधारशिला, अध्यक्ष और मुख्यमंत्री का जताया आभार**

केटी न्यूज/बक्सर

बिहार विधानसभा के बजट सत्र के दौरान गृह विभाग के बजट पर चर्चा में बक्सर सदर विधायक आनंद मिश्रा ने अपने विचार रखते हुए राज्य में सुदृढ़ होती कानून-व्यवस्था और पुलिस तंत्र में हो रहे आधुनिकीकरण की सराहना की। उन्होंने कहा कि बिहार पुलिस की प्रतिबद्ध कार्यशैली और तकनीक आधारित नवाचारों ने राज्य में सुरक्षा व्यवस्था को नई मजबूती प्रदान की है। विधानसभा में गृह बजट का समर्थन करते हुए विधायक ने कहा कि पुलिस महज एक नौकरी नहीं, बल्कि सेवा और समर्पण का संकल्प है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि सशक्त और संवेदनशील पुलिस बल ही जनता के विश्वास की सबसे बड़ी गारंटी होती है। उन्होंने पुलिस बल को आधुनिक संसाधनों से सुसज्जित करने और टेक्नोलॉजी के व्यापक उपयोग को समय की आवश्यकता बताया। विधायक ने कहा कि राज्य सरकार के प्रयासों से कानून-व्यवस्था की स्थिति में लगातार सुधार हुआ है। अपराध नियंत्रण, त्वरित कार्रवाई और डिजिटल मॉनिटरिंग जैसी व्यवस्थाओं ने पुलिसिंग को अधिक प्रभावी बनाया है। उन्होंने पुलिस विभाग में पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ाने के लिए किए जा रहे प्रयासों की भी सराहना की। सदन में अपने संबोधन के दौरान उन्होंने गृह विभाग के बजट को राज्य की सुरक्षा और विकास के लिए महत्वपूर्ण बताते हुए इसका समर्थन किया। उन्होंने कहा कि सुरक्षित वातावरण ही निवेश, शिक्षा और सामाजिक समरसता की मजबूत नींव तैयार करता है। इस अवसर पर विधायक ने विधानसभा अध्यक्ष प्रेम कुमार, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार तथा गृहमंत्री सह उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि उन्हें सदन में अपने विचार रखने का अवसर प्रदान करना लोकतांत्रिक परंपराओं को मजबूत करने वाला कदम है। विधानसभा में दिए गए इस वक्तव्य को बक्सर की जनता की आवाज बताते हुए विधायक ने भरोसा जताया कि सरकार की नीतियों और पुलिस प्रशासन की सक्रिय भूमिका से राज्य में सुशासन की दिशा में और मजबूती आएगी।

सासाराम व इंद्रपुरी बराज परिभ्रमण के लिए छात्रों का दल हुआ रवाना

केटी न्यूज/केसठ

मुख्यमंत्री शैक्षणिक परिभ्रमण योजना के तहत प्रखंड के मध्य विद्यालय रामपुर के छात्र-छात्राओं का दल शनिवार को शैक्षणिक परिभ्रमण के लिए रवाना हुआ। दल का नेतृत्व विद्यालय के प्रधानाध्यापक प्रमोद कुमार चौबे कर रहे हैं। विद्यालय परिसर से हरी झंडी दिखाकर छात्र-छात्राओं को उत्साहपूर्वक रवाना किया गया।

प्रधानाध्यापक ने बताया कि यह परिभ्रमण बिहार दर्शन कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित किया गया है। इस दौरान छात्र-छात्राएं ऐतिहासिक, धार्मिक एवं सांस्कृतिक स्थलों का अवलोकन करेंगे। भ्रमण स्थलों में ताराचंडी मंदिर, शेरशाह सूरी का मकबरा, पायलट बाबा मंदिर, तुतला भवानी, माझर कुंड तथा इंद्रपुरी बराज सहित अन्य प्रमुख स्थल शामिल हैं। प्रधानाध्यापक ने कहा कि इस प्रकार के शैक्षणिक भ्रमण से विद्यार्थियों के मानसिक, बौद्धिक एवं सामाजिक विकास में सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। पुस्तकीय ज्ञान के साथ-साथ प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त करने का अवसर बच्चों के व्यक्तित्व निर्माण में सहायक सिद्ध होता है। उन्होंने बताया कि हर वर्ष विद्यालय के छात्र-छात्राओं को बारी-बारी से इस योजना के तहत विभिन्न ऐतिहासिक स्थलों का भ्रमण कराया जाता है। रवाना होने के अवसर पर विद्यालय परिवार में उत्साह का माहौल देखा गया। मौके पर अखंड प्रताप सिंह, बृज बिहारी सिंह, हरमेन्द्र सिंह, मीना कुमारी, ममता कुमारी, रजनी देवी, पार्वती कुँवर समेत अन्य शिक्षक एवं अभिभावक उपस्थित थे।

एक नजर

पाइप फटने से हो रही पानी की बबार्दी सड़क पर जलजमाव से राहगीर परेशान

केसठ। प्रखंड मुख्यालय स्थित केसठ बस पड़ाव के समीप नल-जल योजना की जलापूर्ति पाइप फट जाने से विगत दो दिनों से हजारों लीटर पानी बर्बाद हो रहा है। पाइप लाइन क्षतिग्रस्त होने के कारण तेज धार में पानी बहकर सड़क पर फैल गया है, जिससे आसपास के क्षेत्र में जलजमाव की स्थिति उत्पन्न हो गई है। सड़क पर जमा पानी के कारण राहगीरों एवं वाहन चालकों को आवागमन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। जलजमाव से सड़क कीचड़युक्त हो गई है, जिससे विशेषकर दोपहिया वाहन चालकों के फिसलने का खतरा बढ़ गया है। वहीं पैदल चलने वाले लोगों को गंदे पानी से होकर गुजरना पड़ रहा है, जिससे संक्रमण फैलने की आशंका भी बनी हुई है। स्थानीय ग्रामीणों ने बताया कि बस पड़ाव क्षेत्र होने के कारण यहां प्रतिदिन सैकड़ों लोगों की आवाजाही रहती है। ऐसे में पाइप फटने से लगातार पानी का बहना न केवल सरकारी जल की बबार्दी है, बल्कि दुर्घटना की संभावना को भी बढ़ा रहा है। लोगों का कहना है कि समस्या की जानकारी संबंधित विभाग को दी गई है, बावजूद इसके अब तक मरम्मत कार्य शुरू नहीं हो सका है। ग्रामीणों ने संबंधित विभाग से अविलंब क्षतिग्रस्त पाइप की मरम्मत कर जलापूर्ति व्यवस्था को दुरुस्त करने की मांग की है, ताकि पानी की बबार्दी रोकी जा सके और आमजन को हो रही परेशानी से निजात मिल सके।

बैंक ऑफ इंडिया सोवा शाखा सोमवार से होगी संचालित

कृष्णाब्रह्म। सोवा स्थित बैंक ऑफ इंडिया शाखा में गुरुवार की देर शाम हुई अगलगी की घटना के बाद बंद पड़ी बैंकिंग सेवाएं अब सोमवार से पुनः शुरू हो जाएंगी। शाखा प्रबंधन ने पुष्टि की है कि आवश्यक तकनीकी सुधार और उपकरणों की व्यवस्था लगभग पूरी कर ली गई है, जिसके बाद ग्राहकों को सामान्य रूप से लेन-देन की सुविधा मिल सकेगी। जानकारी के अनुसार, बिजली के शॉर्ट सर्किट के कारण बैंक परिसर के भीतर अचानक आग लग गई थी। आग ने कंप्यूटर सिस्टम, जरूरी कागजात और अन्य उपकरणों को नुकसान पहुंचाया, जिससे शाखा का पूरा तकनीकी ढांचा प्रभावित हो गया। हालांकि स्थानीय ग्रामीणों की तत्परता से समय रहते आग पर काबू पा लिया गया, जिससे बड़ी क्षति टल गई। घटना के बाद शुक्रवार और शनिवार को शाखा में लेन-देन पूरी तरह बंद रहा। इससे सोवा और आसपास के गांवों के हजारों खाताधारकों को असुविधा का सामना करना पड़ा। ग्राहकों की परेशानी को देखते हुए बैंक प्रबंधन ने वैकल्पिक व्यवस्था के तहत संबंधित शाखाओं में सीमित सेवाएं उपलब्ध कराईं। सोवा शाखा के दो कर्मचारियों को अस्थायी रूप से अन्य शाखा में प्रतिनियुक्त किया गया, ताकि आवश्यक बैंकिंग कार्य प्रभावित न हो। शाखा प्रबंधक तरुण कुमार ने बताया कि आग से प्रभावित तकनीकी उपकरणों को बदलने का कार्य तेजी से किया गया है। नए कंप्यूटर सिस्टम और जरूरी संसाधन स्थापित किए जा रहे हैं, जिससे सोमवार से शाखा सामान्य रूप से संचालित हो सकेगी। उन्होंने आश्वस्त किया कि भविष्य में ऐसी घटनाओं से बचाव के लिए सुरक्षा मानकों को और सुदृढ़ किया जाएगा। घटना को लेकर स्थानीय थाने में लिखित आवेदन दिया गया है, जिस पर सनहा दर्ज कर पुलिस जांच कर रही है। फिलहाल ग्राहकों के लिए राहत की बात यह है कि सोमवार से बैंकिंग सेवा फिर से पटरी पर लौटेगी।

रक्त की एक बूंद, जीवन की डोर : जलपुत्र अजय राय फिर बने किसी के लिए फरिश्ता

डुमरांव। डुमरांव की सामाजिक सरोकारों से जुड़ी दुनिया में एक नाम बार-बार उम्मीद की तरह उभरता है, अजय राय। ह्यजलपुत्रह्ण के नाम से विख्यात युवा सामाजिक कार्यकर्ता अजय राय ने एक बार फिर मानवता की मिसाल पेश करते हुए रक्तदान कर एक जरूरतमंद मरीज की जान बचाई है। मामला नगर के वार्ड संख्या 25 का है। पार्षद बड़े टिंकू सिन्हा से सूचना मिली कि उनके मोहल्ले के निवासी अरुण कुमार श्रीवास्तव (55 वर्ष) गंभीर स्थिति में हैं और उन्हें तत्काल एबी पॉजिटिव रक्त की आवश्यकता है। अस्पताल में परिजनों की बेचैनी बढ़ती जा रही थी और समय तेजी से निकल रहा था। ऐसे नाजुक क्षण में अजय राय ने बिना देर किए आगे आकर रक्तदान करने का निर्णय लिया। जैसे ही रक्त की व्यवस्था हुई, परिजनों के चेहरे पर राहत की लकीरें साफ दिखाई देने लगीं। चिकित्सकों ने भी समय पर रक्त उपलब्ध होने को उपचार की दृष्टि से बेहद अहम बताया। अजय का यह कदम न केवल एक जीवन बचाने में सहायक बना, बल्कि समाज के सामने संवेदनशीलता और जिम्मेदारी का जीवंत उदाहरण भी प्रस्तुत कर गया। गौरतलब है कि यह पहला अवसर नहीं है जब अजय राय ने रक्तदान किया हो। इससे पहले भी वे कई जरूरतमंदों के लिए रक्तदान कर चुके हैं। उनका मानना है कि ह्लरक्तदान महादान है, इससे बड़ा कोई दान नहीं।ह्व वे युवाओं से अपील करते हैं कि वे आगे आएं और नियमित रूप से रक्तदान कर मानव जीवन बचाने की इस मुहिम का हिस्सा बनें।

कोरानसराय में डेढ़ लाख की ब्राउन सुगर व 1.8 हजार नगद रूपए के साथ तस्कर गिरफ्तार

- पांच मोबाइल, इलेक्ट्रानिक तराजू, प्लास्टिक की पन्नी बरामद, पूर्व में भी एनडीपीएस ऐक्ट के तहत जेल जा चुका है गिरफ्तार तस्कर
- चार दिनों में तीसरे तस्कर की गिरफ्तारी से मचा हड़कंप, कोरानसराय पुलिस के ऐक्शन की हो रही है सराहना

केटी न्यूज/डुमरांव

मादक पदार्थों के तस्करों के खिलाफ कोरानसराय पुलिस का अभियान जारी है। शुक्रवार की देर शाम कोरान सराय पुलिस ने स्थानीय गांव से एक कुख्यात तस्कर को 65.32 ग्राम ब्राउन सुगर जिसका अनुमानित बाजार मूल्य 1.5 लाख रूपए व 1 लाख 7 हजार 900 रूपए नगद के साथ गिरफ्तार किया है।

उसके पास से पुलिस ने एक इलेक्ट्रानिक तराजू, हेरोईन की पैकिंग के लिए रखा गया प्लास्टिक का पन्नी, एक स्मार्ट फोन, चार कीपैड फोन समेत पांच मोबइल आदि बरामद किया है। गिरफ्तार तस्कर का अपराधिक इतिहास मिला है तथा वह पूर्व में भी एनडीपीएस ऐक्ट के तहत जेल जा चुका है।

गिरफ्तार तस्कर की पहचान स्थानीय गांव निवासी राजू कानू पिता शिवलाल कानू के रूप में हुई है। यह कोरानसराय में चार दिनों में तीसरे तस्कर की गिरफ्तारी है, जिसकी शुरूआत मठिला निवासी तस्कर जय प्रकाश की गिरफ्तारी के साथ शुरू हुआ था।

कोरान सराय थानाध्यक्ष माधुरी कुमारी ने बताया कि पूर्व में गिरफ्तार तस्कर जयप्रकाश से पूछताछ के दौरान ही राजू के संबंध में जानकारी मिली थी। जिसके बाद एक टीम गठित कर शुक्रवार की देर शाम उसके घर छापेमारी की गई। इस दौरान उसके घर से 65.32 ग्राम ब्राउन सुगर (अनुमानित बाजार मूल्य 1.5 लाख रूपए), नगद 1 लाख 7 हजार 900 रूपए, पांच मोबाइल, इलेक्ट्रानिक तराजू, प्लास्टिक की पन्नी आदि मिला। जिसके बाद पुलिस ने राजू को गिरफ्तार कर लिया। वह पूर्व में भी मादक पदार्थों की तस्करी के आरोप में जेल जा चुका है।

चार दिन में तीसरी गिरफ्तारी, तस्करों में मच गया है हड़कंप

बता दें कि बक्सर एसपी शुभम आर्य की सख्ती के बाद कोरानसराय पुलिस ने मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ विशेष अभियान चलाया। इस दौरान सबसे पहले मठिला गांव से जयप्रकाश को हेरोईन की खेप के साथ पकड़ा गया। उसी के निशानेही पर दो दिन पूर्व बक्सर नगर थाना क्षेत्र के शांति नगर मोहल्ले से सोना देवी तथा फिर कोरानसराय से राजू कानू की गिरफ्तारी हुई है। थानाध्यक्ष ने बताया कि पूरे गिरोह को खंगाला जा रहा है। ऐसे में इस मामले में अभी और गिरफ्तारी से इंकार नहीं किया जा सकता है।

जब्त मोबाइल खोलेगा तस्करी का राज

तस्कर राजू कानू के पास से जब्त किये गए पांच मोबाइल फोन तस्करी का राज खोलेगा। पुलिस सूत्रों की माने तो जब्त मोबाइल का काल डिटेल्स खंगाला जाएगा। पुलिस को उम्मीद है कि कॉल डिटेल्स से कई अन्य तस्करों की जानकारी मिल सकती है। बहरहाल कोरानसराय पुलिस की इस कार्रवाई से मादक पदार्थों के तस्करों में हड़कंप मच गया है।

चक्की चुन्नी डेरा की है घटना, जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंचे डुमरांव एसडीपीओ, कई बिंदुओं पर सूक्ष्मता से जांच कर रही है पुलिस

चक्की में स्कूल के पास बोरे में बंद मिली युवती की लाश, गुमशुदगी पर थाने की चुप्पी पर उठे सवाल

- तीन माह बाद होनी थी शादी, मां ने लगाया पूर्व में धमकी देने वाले पट्टीदार पर आरोप, पुलिस ने पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद कार्रवाई की बात कही

केटी न्यूज/चक्की

चक्की थाना क्षेत्र के चुन्नी डेरा गांव में शनिवार की सुबह उस वक्त सनसनी फैल गई, जब प्राथमिक विद्यालय परिसर के समीप एक बोरे से तेज दुर्गंध उठने लगी। विद्यालय पहुंचे शिक्षकों को शक हुआ तो उन्होंने ग्रामीणों को सूचना दी। कुछ ही देर में मौके पर भारी भीड़ जमा हो गई। बोरा खोले जाने पर जो दृश्य सामने आया, उसने पूरे इलाके को सन्न कर दिया, बोरे में कसकर बांधा गया शव 18 वर्षीय सुनीता कुमारी का था। शव का चेहरा क्षतिग्रस्त हो गया था। देखने से ऐसा प्रतीत हो रहा था कि हत्या के बाद पहचान छिपाने की नियत से उसे तेजाब से जलाया गया है। घटना की खबर फैलते ही परिजन बदहवास हालत में मौके पर पहुंचे। मां फूलकुमारी देवी ने धारदार औजार से बोरा काटकर बेटी का शव बाहर निकाला। बेटी की हालत देख परिवार में कोहराम मच गया। सुनीता तीन बहनों और एक भाई में सबसे छोटी थी और उसकी शादी तीन महीने बाद सरना भरौली गांव में तय थी। खास बात यह कि बड़ी बहन चिंता कुमारी के साथ एक ही मंडप में दोनों की शादी की तैयारी चल रही थी। घर में उत्सव का माहौल था, जो अब मातम में बदल गया है। परिजनों के अनुसार, सोमवार की शाम करीब छह बजे सुनीता घर पर थी। उसी समय उसकी मां दुकान पर चीनी लेने गई थीं। आरोप है कि इसी बीच अज्ञात लोग उसे घर से उठा ले गए। परिवार ने पहले आसपास खोजबीन की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। दो दिन बाद परिजन चक्की थाना पहुंचे और शिकायत दर्ज कराने की कोशिश की। उनका आरोप है कि पुलिस ने लिखित शिकायत दर्ज नहीं की और यह कहकर लौटा दिया कि ह्चार दिनों में लड़की मिल जाएगी। मां फूलकुमारी देवी ने गांव के ही एक पट्टीदार पर पहले से धमकी देने का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि पूर्व में विवाद के कारण परिवार को डराया-धमकाया गया था। उन्होंने आशंका जताई है कि उसी रंजिश में हत्या कर शव को विद्यालय परिसर के पास फेंक दिया गया। हालांकि पुलिस ने अभी किसी पर सीधे आरोप की पुष्टि नहीं की है। घटना की सूचना मिलते ही चक्की थाना पुलिस और बक्सर के एसडीपीओ मौके पर पहुंचे। थानाध्यक्ष अजय कुमार ने बताया कि पूर्व में इस संबंध में कोई मामला दर्ज नहीं हुआ था। फिलहाल शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है और संदिग्ध गतिविधियों की जांच की जा रही है। इस हृदयविदारक घटना ने गांव में सुरक्षा व्यवस्था और पुलिस की तत्परता पर सवाल खड़े कर दिए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय पर गुमशुदगी दर्ज कर गंभीरता से जांच की जाती, तो शायद सुनीता की जान बच सकती थी। फिलहाल पूरा गांव न्याय की मांग कर रहा है और परिजन दोषियों की शीघ्र गिरफ्तारी की उम्मीद लगाए बैठे हैं।

कई बिंदुओं पर जांच कर रही है पुलिस

इस मामले में पुलिस कई बिंदुओं पर जांच कर रही है। घटना स्थल का मुआयना तथा परिजनों से बातचीत के बाद एसडीपीओ पोलस्त कुमार ने कहा कि इस मामले को पुलिस ने गंभीरता से लिया है। उन्होंने कहा कि परिजनों के आरोप के अलावे भी कई अन्य बिंदुओं पर जांच की जा रही है। एसडीपीओ ने बताया कि जल्दी ही इस मामले का उद्भेदन कर लिया जाएगा।

विज्ञान की परीक्षा शांतिपूर्ण संपन्न, दोनों पालियों में उपस्थिति रही बेहतर

जिला नियंत्रण कक्ष ने जारी किए आंकड़े, सभी केंद्रों पर कदाचारमुक्त माहौल

बक्सर। वार्षिक माध्यमिक (सैद्धांतिक) परीक्षा 2026 के तहत शनिवार को जिले के विभिन्न परीक्षा केंद्रों पर विज्ञान विषय की परीक्षा शांतिपूर्ण एवं कदाचारमुक्त वातावरण में संपन्न हुई। जिला नियंत्रण कक्ष से प्राप्त आधिकारिक सूचना के अनुसार दोनों पालियों में परीक्षार्थियों की उपस्थिति संतोषजनक रही और किसी भी केंद्र से निष्कासन की सूचना नहीं मिली। प्रथम पाली में विज्ञान विषय की परीक्षा के लिए कुल 13,140 परीक्षार्थी पंजीकृत थे। इनमें से 12,998 परीक्षार्थी परीक्षा में शामिल हुए, जबकि 142 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। राहत की बात यह रही कि किसी भी परीक्षार्थी को कदाचार के आरोप में निष्कासित नहीं किया गया। परीक्षा केंद्रों पर निर्धारित समय के अनुसार परीक्षा प्रारंभ हुई और शांतिपूर्वक संपन्न हुई। इसी प्रकार द्वितीय पाली में विज्ञान विषय की परीक्षा के लिए कुल 11,981 परीक्षार्थी निर्धारित थे। इनमें से 11,829 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी, जबकि 152 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। इस पाली में भी निष्कासन की संख्या शून्य रही, जो परीक्षा संचालन की पारदर्शिता और प्रशासनिक सतर्कता को दशार्ता है। जिला प्रशासन द्वारा परीक्षा को निष्पक्ष एवं कदाचारमुक्त बनाने के लिए व्यापक इंतजाम किए गए थे। सभी परीक्षा केंद्रों पर दंडाधिकारियों एवं पुलिस बल की तैनाती की गई थी। साथ ही उड़नदस्ता टीमों द्वारा समय-समय पर केंद्रों का निरीक्षण किया गया। नियंत्रण कक्ष से लगातार मॉनिटरिंग की व्यवस्था भी की गई थी, जिससे किसी भी प्रकार की गड़बड़ी की आशंका पर तुरंत कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके। जिला नियंत्रण कक्ष से मिली जानकारी के अनुसार बक्सर जिला अंतर्गत सभी परीक्षा केंद्रों पर परीक्षा पूरी तरह शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई। परीक्षा के दौरान कहीं से भी अव्यवस्था या कदाचार की सूचना प्राप्त नहीं हुई। प्रशासन ने सफल एवं सुव्यवस्थित परीक्षा संचालन के लिए संबंधित अधिकारियों, केंद्राधीक्षकों एवं सुरक्षा बलों की सराहना की है।

सासाराम व इंद्रपुरी बराज परिभ्रमण के लिए छात्रों का दल रवाना

केसठ। मुख्यमंत्री शैक्षणिक परिभ्रमण योजना के तहत प्रखंड के मध्य विद्यालय रामपुर के छात्र-छात्राओं का दल शनिवार को शैक्षणिक परिभ्रमण के लिए रवाना हुआ। दल का नेतृत्व विद्यालय के प्रधानाध्यापक प्रमोद कुमार चौबे कर रहे हैं। विद्यालय परिसर से हरी झंडी दिखाकर छात्र-छात्राओं को उत्साहपूर्वक रवाना किया गया। प्रधानाध्यापक ने बताया कि यह परिभ्रमण बिहार दर्शन कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित किया गया है। इस दौरान छात्र-छात्राएं ऐतिहासिक, धार्मिक एवं सांस्कृतिक स्थलों का अवलोकन करेंगे। भ्रमण स्थलों में ताराचंडी मंदिर, शेरशाह सूरी का मकबरा, पायलट बाबा मंदिर, तुतला भवानी, माझर कुंड तथा इंद्रपुरी बराज सहित अन्य प्रमुख स्थल शामिल हैं। प्रधानाध्यापक ने कहा कि इस प्रकार के शैक्षणिक भ्रमण से विद्यार्थियों के मानसिक, बौद्धिक एवं सामाजिक विकास में सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। पुस्तकीय ज्ञान के साथ-साथ प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त करने का अवसर बच्चों के व्यक्तित्व निर्माण में सहायक सिद्ध होता है। उन्होंने बताया कि हर वर्ष विद्यालय के छात्र-छात्राओं को बारी-बारी से इस योजना के तहत विभिन्न ऐतिहासिक स्थलों का भ्रमण कराया जाता है। रवाना होने के अवसर पर विद्यालय परिवार में उत्साह का माहौल देखा गया। मौके पर अखंड प्रताप सिंह, बृज बिहारी सिंह, हरमेन्द्र सिंह, मीना कुमारी, ममता कुमारी, रजनी देवी, पार्वती कुँवर समेत अन्य शिक्षक एवं अभिभावक उपस्थित थे।

मांगों को लेकर आमरण अनशन पर बैठे लोगों से वातार्लाप कर बीडीओ ने तुड़वाया

केटी न्यूज/डुमरांव

नगर के शहीद शहीद पार्क के पास स्थित शहीद भवन के परिसर में बिते शुक्रवार से विभिन्न मांगों को लेकर समाजसेवियों के द्वारा आमरण अनशन शुरू किया गया था। पहले दिन आमरण अनशन पर बैठे समाजसेवी हरेकृष्ण यादव एवं रंगनाथ यादव को पुछार करने तक कोई नहीं आया और नहीं उनकी शारिरीक जांच ही करने स्वास्थ्य विभाग से कोई आया। अनशन की खबर छपने के बाद प्रशासन हरकत में आया और एसडीओ राकेश कुमार की पहल पर बीडीओ संदीप कुमार पांडेय ने अनशन स्थपन पहुंच अनशनकारियों से बात की। उन्होंने उनको बताया की आपकी मांगों पर वातार्लाप करने के लिये एसडीओ एक समय निर्धारित करेंगे, उन्हीं के द्वारा मुझे भेजा गया है। बीडीओ की बातों पर सभी ने आपसी बातचित कर उन्हें सम्मान देते हुए अनशन समाप्त करने की घोषणा कर दिया। फिर बीडीओ उन्हें जूस पिलाकर उनका आमरण अनशन को तोड़वाया। मालूम हो कि बक्सर सदर अस्पताल में 10 बेड का आईसीयू यूनिट और अनुमंडलीय अस्पताल डुमरांव में 20 बेड का मदर न्यू बॉर्न केयर यूनिट सालों से बनकर तैयार है। बनने के बाद से इस दोनों यूनिट का संचालित नहीं होने से लोगों भारी परेशानियों से गुजरना पड़ता है। सदर अस्पताल का आईसीयू यूनिट काम करता रहता तो किसी भी मरीज को रेफर नहीं करना पड़ता। सदर अस्पताल से रेफर होने के बाद मरीज के अभिभाव निजी अस्पतालों में लेकर चले जाते हैं, जहां उन्हें आर्थिक दोहन का शिकार होना पड़ता है। बॉर्न यूनिट डुमरांव चालू होने से मां और बच्चों को खतरे से बचाया जा सकता है।

विदेश दौरे और बयानबाजी पर गरमाई सियासत, युवा भाजपा नेता ने उठाए सवाल

केटी न्यूज/बक्सर

भाजपा युवा मोर्चा के पूर्व जिलाध्यक्ष सौरभ तिवारी ने कांग्रेस नेता एवं लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के हालिया विदेश दौरे और बयानबाजी को लेकर तीखी प्रतिक्रिया दी है। जारी प्रेस बयान में उन्होंने कहा कि संसद सत्र के दौरान विदेश यात्रा और विदेशी व्यक्तियों से मुलाकात जैसे कदमों से राजनीतिक संदेश जाता है, जिस पर स्पष्टता आवश्यक है।

सौरभ तिवारी ने आरोप लगाया कि विदेश में दिए गए वक्तव्य और मुलाकातें देश की छवि को प्रभावित कर सकती हैं। उन्होंने जर्मनी यात्रा के दौरान एक प्रोफेसर से मुलाकात का उल्लेख करते हुए कहा कि सार्वजनिक जीवन में रहने वाले नेताओं को अपनी गतिविधियों को लेकर पारदर्शिता बनाए रखनी चाहिए, ताकि किसी प्रकार की

आशंका उत्पन्न न हो।

भाजपा नेता ने यह भी कहा कि भारत एक स्वतंत्र और संप्रभु राष्ट्र है तथा उसके आंतरिक मामलों में किसी भी विदेशी संस्था या ताकत का हस्तक्षेप स्वीकार्य नहीं होना चाहिए। उन्होंने दावा किया कि हाल के समय में विदेशी फंडिंग और चुनावी प्रक्रिया को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी चचाएं हुई हैं, जिन्हें गंभीरता से लिया जाना चाहिए।

तिवारी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश ने मजबूत और निर्णायक शासन देखा है। उनके अनुसार, भारत की लोकतांत्रिक संस्थाएं सशक्त हैं और जनता किसी भी प्रकार के बाहरी प्रभाव को सफल नहीं होने देगी।

उन्होंने कांग्रेस पार्टी की नीतियों पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि विपक्ष को रचनात्मक भूमिका निभानी चाहिए और राष्ट्रीय मुद्दों पर स्पष्ट रुख रखना चाहिए। बयान के अंत में उन्होंने विश्वास जताया कि देश की जनता लोकतंत्र और संविधान की रक्षा के प्रति सजग है तथा किसी भी प्रकार की कथित साजिश को सफल नहीं होने देगी।

बक्सर में कांग्रेस का फोकस बूथ मैनेजमेंट पर

संगठन सृजन अभियान के जरिए गांव-गांव तक पहुंच बनाने की रणनीति

बक्सर। बक्सर जिले में कांग्रेस ने आगामी चुनावी तैयारियों को धार देते हुए संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने की कवायद तेज कर दी है। ब्रह्मपुर विधानसभा क्षेत्र के ब्रह्मपुर में ह्यसंगठन सृजन अभियानह्ण की शुरूआत के साथ ही पार्टी ने बूथ स्तर तक नई संरचना खड़ी करने का संकेत दिया है। कार्यक्रम की शुरूआत बाबा ब्रह्मेश्वरनाथ मंदिर में दर्शन-पूजन के साथ हुई, जिसके बाद आयोजित बैठक में संगठन विस्तार पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी द्वारा नियुक्त राष्ट्रीय पर्यवेक्षक राजेश राठौर की मौजूदगी रही। उन्होंने स्पष्ट कहा कि अभियान का उद्देश्य केवल सदस्यता बढ़ाना नहीं, बल्कि सक्रिय और जिम्मेदार कार्यकताओं की टीम तैयार करना है। उन्होंने कार्यकताओं से पुराने सदस्यों को पुनः जोड़ने और युवाओं, महिलाओं, किसानों तथा मजदूरों के बीच पार्टी की पकड़ मजबूत करने पर जोर दिया। प्रदेश स्तर से नियुक्त वरिष्ठ पर्यवेक्षक मृणाल अनामय ने संगठन की मजबूती को चुनावी सफलता की शर्त बताया। उन्होंने बूथ कमेटियों के गठन, नियमित बैठकें करने और जनसंपर्क बढ़ाने की रणनीति पर बल दिया। जिला कांग्रेस अध्यक्ष डॉ. मनोज पांडे ने कहा कि अभियान के तहत निष्क्रिय कार्यकताओं को सक्रिय किया जाएगा तथा युवा और महिला इकाइयों की भागीदारी बढ़ाई जाएगी। ब्रह्मपुर के बाद डुमरांव विधानसभा क्षेत्र के खिरौली और राजपुर विधानसभा क्षेत्र में भी बैठकें आयोजित की गईं। इन बैठकों में आपसी मतभेद भुलाकर सामूहिक लक्ष्य पर काम करने की अपील की गई। प्रत्येक कार्यकर्ता से कम से कम दस नए सदस्यों को जोड़ने का लक्ष्य लेने को कहा गया। कार्यक्रम में विभिन्न प्रखंडों के अध्यक्ष, किसान प्रकोष्ठ के पदाधिकारी और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे। अंत में निर्णय लिया गया कि जिले के सभी प्रखंडों और पंचायतों में चरणबद्ध तरीके से संगठनात्मक बैठकें कर सदस्यता अभियान को तेज किया जाएगा। कांग्रेस नेताओं का दावा है कि यह अभियान जिले में पार्टी को नई ऊर्जा देने का माध्यम बनेगा।

धरातल पर नहीं लगा बोर्ड, फिर कैसे हुआ भुगतान, रामपुर पंचायत में गड़बड़ी का आरोप

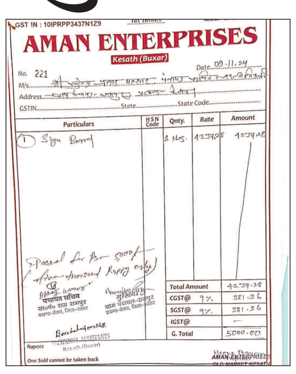

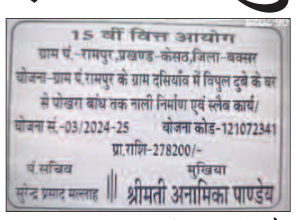

केटी न्यूज/केसठ

प्रखंड के रामपुर पंचायत अंतर्गत दसियाव गांव में 15वीं वित्त आयोग मद की राशि से वर्ष 2024-25 में कराए गए नाली एवं स्लैब निर्माण कार्य को लेकर अनियमितता के आरोप सामने आए हैं। यह निर्माण कार्य बिपुल दुबे के घर से पोखरा बांध तक कराया गया, जिसकी योजना संख्या 121072341 बताई जा रही है। योजना की प्राक्कलित राशि 2 लाख 78 हजार 200 रुपये है।ग्रामीणों का आरोप है कि योजना के तहत लगाए जाने वाले अनिवार्य साइन बोर्ड को स्थल पर स्थापित ही नहीं किया गया। नियमानुसार किसी भी विकास योजना के प्रारंभ से पूर्व संबंधित स्थल पर साइन बोर्ड लगाना आवश्यक होता है, जिसमें योजना की लागत, कार्य अवधि और कार्यान्वयन एजेंसी का विवरण अंकित रहता है। प्रति साइन बोर्ड लगभग पांच हजार रुपये खर्च का प्रावधान है।संबंधित योजना में साइन बोर्ड मद में 4 हजार 237 रुपये भुगतान दशार्या गया है। ग्रामीणों का कहना है कि धरातल पर बोर्ड दिखाई नहीं देता, जबकि विभागीय पोर्टल पर जियो टैग की गई तस्वीर अपलोड की गई है। आरोप है कि वास्तविक बोर्ड लगाने के बजाय फोटोशॉप से तैयार की गई तस्वीर को जियो टैग कर अपलोड कर दिया गया।स्थानीय लोगों के बीच यह सवाल चर्चा का विषय बना हुआ है कि जब साइन बोर्ड लगाया ही नहीं गया, तो भुगतान किस आधार पर किया गया और जियो टैगिंग कैसे संभव हुई। ग्रामीणों ने मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है।इस संबंध में पंचायत प्रतिनिधियों या संबंधित पदाधिकारियों से संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन खबर लिखे जाने तक उनका पक्ष प्राप्त नहीं हो सका। यदि आरोप सही पाए जाते हैं, तो यह वित्तीय अनियमितता का गंभीर मामला हो सकता है।

कहते है ग्रामीण

समाजसेवी सुमेश्वर यादव ने कहा कि योजना की जानकारी आम लोगों को साइन बोर्ड से ही मिलती है। यहां काम तो हुआ, लेकिन बोर्ड कभी नहीं लगा। पोर्टल पर जियो टैग की बात सुन रहे हैं, पर जमीन पर कुछ नहीं दिखता। प्रशासन को खुद आकर स्थल की जांच करनी चाहिए।

समाजसेवी रजनीकांत दूबे उर्फ जुगनू दुबे ने बताया, सरकार की योजना में पारदर्शिता के लिए साइन बोर्ड जरूरी होता है, ताकि आम लोग योजना की जानकारी जान सकें। यहां जमीन पर कोई बोर्ड नहीं है, लेकिन पोर्टल पर फोटो अपलोड कर दी गई है। अगर फोटोशॉप से तस्वीर बनाकर जियो टैग किया गया है तो यह गंभीर मामला है और जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई होनी चाहिए।

फोटो शॉप का उपयोग कर बनाया गया बोर्ड तकनीक सहायक ने किया जिओ टैग

ग्रामीणों का आरोप है कि योजना स्थल पर वास्तविक साइन बोर्ड लगाए बिना ही फोटोशॉप के माध्यम से तैयार की गई बोर्ड की तस्वीर पोर्टल पर अपलोड कर दी गई। बताया जा रहा है कि उक्त तस्वीर को तकनीक सहायक द्वारा जियो टैग कर ऑनलाइन प्रविष्टि पूरी कर दी गई, जिसके आधार पर साइन बोर्ड मद की राशि का भुगतान दर्शा दिया गया। अब सवाल यह उठ रहा है कि बिना स्थल पर भौतिक सत्यापन के जियो टैगिंग कैसे की गई और भुगतान की प्रक्रिया किस स्तर पर स्वीकृत हुई।

अवैध बिजली चोरी में भारी जुर्माना के साथ 6 लोगों पर प्राथमिकी दर्ज

केटी न्यूज/रोहतास

बिजली विभाग द्वारा बिजली चोरी व बकायेदार उपभोक्ताओं का विद्युत कनेक्शन काटने का विशेष अभियान चला रही है। अभियान के क्रम मे अवैध रूप से बिजली चोरी मामले मे दिनारा,बिक्रमगंज व सूर्यपुरा प्रशाखा अंतर्गत छह पर जुमार्ना लगाते हुए प्राथमिकी दर्ज कराई गयी है। कनीय विद्युत अभियंता दिनारा ने बताया की बिना कोई विद्युत कनेक्शन लिए अवैध रूप से विद्युत ऊर्जा चोरी करने को लेकर के अक्षय पाण्डेय पिता-बासुदेव पाण्डेय पर 18688 रुपये दंडित राशि लगायी गयी है। इनके परिसर मे मीटर भी अधिष्ठापित नही था तथा बिजली से सम्बंधित वैध कागजात की मांग करने पर कोई कागजात प्रस्तुत नही की गयी। आगे बता दें की मीटर से पहले सर्विस तार मे कटिंग करके एवं अतिरिक्त तार जोड़कर तथा मीटर बाईपास करते हुए अवैध रूप से विद्युत ऊर्जा चोरी करने को लेकर प्रखंड दिनारा के पिपरी निवासी रामपति देवी पति-वशिष्ठ सिंह पर 29699,संगीता देवी पति-रामाशंकर सिंह पर 27695, जमींदार पासवान पति-विश्वनाथ पासवान पर 12757, सूर्यपुरा प्रखंड के अगरेर कलां निवासी प्रेम कुमार दुबे पिता-मदन दुबे पर 51544 व बिक्रमगंज के मनबोध नगर निवासी शांति देवी पति-जंगी सिंह पर 50524 रुपये जुमार्ना लगायी गयी है। उक्त उपभोक्ता के द्वारा मीटर बाईपास करने के कारण वास्तविक मान पठन अवरूद्ध हो रहा था तथा विभाग के राजस्व की क्षति हो रही थी। सहायक विद्युत अभियंता, बिक्रमगंज राज कुमार के द्वारा बताया गया की बिजली चोरी के खिलाफ विशेष अभियान चलाया जा रहा है, जिसमे उपभोक्ताओं के परिसर में लगे सर्विस तार, मीटर, बिलिंग एवं बिल के ससमय भुगतान की सघन जांच की जा रही है। जांच में मीटर की सील टूटी हुई, टेम्परिंग या बाईपास पाए जाने पर तत्काल प्राथमिकी दर्ज कराया जा रहा है। विद्युत आपूर्ति अवर प्रमंडल बिक्रमगंज अंतर्गत चालू माह मे 43 लोगों पर प्राथमिकी दर्ज कराई गयी है जिसमे कुल जुमार्ने की राशि 24.68 लाख अधिरोपित है।बिजली विभाग द्वारा बिजली चोरी व बकायेदार उपभोक्ताओं का विद्युत कनेक्शन काटने का विशेष अभियान चला रही है। चलाये जा रहे अभियान के क्रम मे अवैध रूप से बिजली चोरी मामले मे दिनारा, बिक्रमगंज व सूर्यपुरा प्रशाखा अंतर्गत छह पर जुमार्ना लगाते हुए प्राथमिकी दर्ज कराई गयी है। कनीय विद्युत अभियंता दिनारा ने बताया की बिना कोई विद्युत कनेक्शन लिए अवैध रूप से विद्युत ऊर्जा चोरी करने को लेकर के अक्षय पाण्डेय पिता-बासुदेव पाण्डेय पर 18688 रुपये दंडित राशि लगायी गयी है। इनके परिसर मे मीटर भी अधिष्ठापित नही था तथा बिजली से सम्बंधित वैध कागजात की मांग करने पर कोई कागजात प्रस्तुत नही की गयी। आगे बता दें की मीटर से पहले सर्विस तार मे कटिंग करके एवं अतिरिक्त तार जोड़कर तथा मीटर बाईपास करते हुए अवैध रूप से विद्युत ऊर्जा चोरी करने को लेकर प्रखंड दिनारा के पिपरी निवासी रामपति देवी पति-वशिष्ठ सिंह पर 29699, संगीता देवी पति-रामाशंकर सिंह पर 27695, जमींदार पासवान पति-विश्वनाथ पासवान पर 12757, सूर्यपुरा प्रखंड के अगरेर कलां निवासी प्रेम कुमार दुबे पिता-मदन दुबे पर 51544 व बिक्रमगंज के मनबोध नगर निवासी शांति देवी पति-जंगी सिंह पर 50524 रुपये जुमार्ना लगायी गयी है। उक्त उपभोक्ता के द्वारा मीटर बाईपास करने के कारण वास्तविक मान पठन अवरूद्ध हो रहा था तथा विभाग के राजस्व की क्षति हो रही थी। सहायक विद्युत अभियंता, बिक्रमगंज राज कुमार के द्वारा बताया गया की बिजली चोरी के खिलाफ विशेष अभियान चलाया जा रहा है, जिसमे उपभोक्ताओं के परिसर में लगे सर्विस तार, मीटर, बिलिंग एवं बिल के ससमय भुगतान की सघन जांच की जा रही है। जांच में मीटर की सील टूटी हुई, टेम्परिंग या बाईपास पाए जाने पर तत्काल प्राथमिकी दर्ज कराया जा रहा है। विद्युत आपूर्ति अवर प्रमंडल बिक्रमगंज अंतर्गत चालू माह मे 43 लोगों पर प्राथमिकी दर्ज कराई गयी है जिसमे कुल जुमार्ने की राशि 24.68 लाख अधिरोपित है।

सुपौल के पूर्व अंचलाधिकारी प्रिंस राज बर्खास्त, मैट्रिक के जाली सर्टिफिकेट पर नौकरी हासिल करने पर कार्रवाई

एजेंसी। पटना

जाली शैक्षणिक प्रमाण-पत्र के आधार पर सरकारी नौकरी हासिल करने के मामले में सुपौल सदर के पूर्व अंचलाधिकारी प्रिंस राज को राज्य सरकार ने सेवा बर्खास्त कर दिया है। शुक्रवार को राज्य मंत्रिपरिषद् से स्वीकृति मिलने के बाद राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग ने उनकी सेवा समाप्ति का आदेश जारी कर दिया। मंत्रिपरिषद की मंजूरी के बाद सेवा से उन्हें बर्खास्त कर दिया गया है। दो नाम और दो जन्मतिथि से मैट्रिक परीक्षा देने का यह मामला है। बिहार विद्यालय परीक्षा समिति ने 2006 का प्रमाण पत्र रद्द कर दिया था। विशेष निगरानी जांच में इस बात का खुलासा हुआ। बिहार लोक सेवा आयोग की 60-62वीं संयुक्त परीक्षा में राजस्व अधिकारी के रूप में प्रिंस राज का चयन हुआ था। विभागीय अभिलेखों के अनुसार, प्रिंस राज पिता रघुनंदन साह, ग्राम झिक्की, पोस्ट हिसार, जिला मधुबनी ने बिहार लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित 60-62वीं संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा में चयन के दौरान वर्ष 2006 की माध्यमिक परीक्षा का अंकपत्र एवं प्रमाण-पत्र प्रस्तुत किया था। उन्होंने यह परीक्षा एसटीएसवाई हाई स्कूल, मनमोहन (मधुबनी) से पास की थी। इससे पहले वर्ष 2004 में वे धर्मेंद्र कुमार के नाम से हाई स्कूल, खिड़हर (मधुबनी) से मैट्रिक की परीक्षा पास किये थे। बाद में जांच में 2006 के प्रमाण-पत्र को जाली बताया गया। मामले की जांच के क्रम में विशेष निगरानी इकाई द्वारा दर्ज कांड संख्या 04/2025 में यह तथ्य सामने आया कि उन्होंने दो अलग-अलग नाम और जन्मतिथि से मैट्रिक परीक्षा उत्तीर्ण की थी। आरोप है कि इसी दस्तावेज का उपयोग आयु एवं शैक्षणिक अर्हता सिद्ध करने के लिए किया गया। प्रकरण में निर्णायक स्थिति तब बनी जब बिहार विद्यालय परीक्षा समिति, पटना ने वर्ष 2006 की माध्यमिक परीक्षा के अंकपत्र और प्रमाण-पत्र को जालसाजी पाते हुए 1 अगस्त 2025 को रद्द कर दिया। इसके बाद विभाग ने बिहार लोक सेवा आयोग से मंतव्य प्राप्त किया, जिसमें आयोग ने निर्धारित प्रक्रिया पूर्ण करते हुए चयनमुक्त करने के मामले में विभाग को स्वतंत्र बताया।विभागीय नियुक्ति अधिसूचना में स्पष्ट प्रावधान था कि यदि अभ्यर्थी द्वारा प्रस्तुत शैक्षणिक प्रमाण-पत्रों में त्रुटि अथवा प्रतिकूल तथ्य पाए जाते हैं तो सेवा बिना पूर्व सूचना के समाप्त की जा सकती है। इसी प्रावधान के तहत विभाग ने यह निष्कर्ष निकाला कि संबंधित अधिकारी सेवा में बने रहने का अधिकार खो चुके हैं। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2019 में नियुक्ति के बाद प्रिंस राज ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। उनका पहला पदस्थापन राजस्व अधिकारी के रूप में चनपटिया (पश्चिम चंपारण) में हुआ। इसके बाद विभिन्न पदों पर पदस्थापन हुआ। विभागीय परीक्षा भी उत्तीर्ण की और वर्ष 2023 में सेवा संपुष्ट भी कर दी गई थी। हालांकि, शैक्षणिक प्रमाण-पत्र रद्द होने के बाद उनकी नियुक्ति की वैधता समाप्त हो गई। शुक्रवार को मंत्रिपरिषद् से अनुमोदन प्राप्त होने के उपरांत सरकार ने उन्हें तत्काल प्रभाव से सेवा से बर्खास्त कर दिया। इस कार्रवाई पर बिहार के उपमुख्यमंत्री सह मंत्री, राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि राज्य सरकार की नीति स्पष्ट है, सरकारी सेवा में किसी भी प्रकार की जालसाजी, कूटरचना या फर्जी प्रमाण-पत्र के लिए शून्य सहनशीलता अपनाई जाएगी। नियुक्ति प्रक्रिया की पारदर्शिता से कोई समझौता नहीं होगा। जो भी व्यक्ति धोखाधड़ी कर सेवा में आया है, उसके विरुद्ध विधि सम्मत कड़ी कार्रवाई की जाएगी। यह निर्णय प्रशासनिक शुचिता और व्यवस्था में जनता के विश्वास को मजबूत करने की दिशा में उठाया गया आवश्यक कदम है।

जनसंवाद कार्यक्रम में लोगों की समस्याओं से रूबरू हो सांसद ने सुनी बात

केटी न्यूज/आरा

प्रखंड मुख्यालय परिसर में शनिवार को आरा सांसद सुदामा प्रसाद जनसंवाद किया। जनसंवाद के माध्यम से जानता की अवाज सुनीं। उनका निराकरण करने की पहल की। जनसंवाद में जवईनिया कटाव विस्थापित परिवारों को शाहपुर के बिलौटी मौजा में भूमि उपलब्ध कराया गया। पर उनकी नागरिक सुविधा नहीं दी गई है।

70 विस्थापित परिवार को ही चिन्हित किया गया है। जबकि दो सौ से अधिक परिवार का घर गंगा कटाव में विलीन हो गया है। पीडित परिवार सांसद से मिलकर इन समस्याओं से अवगत कराया। साथ ही उन परिवारो की सूचि उपलब्ध कराई। यूपी उत्तरप्रदेश तथा बिहार भूमि विवाद मामले को सांसद लोकसभा के पटल पर रखने की बात कही। दर्जनों से अधिक मामले आये जिसका निराकरण तथा जांच करने की संबंधित सीओ तथा बीडीओ से की गई। सांसद ने कहा कि जवईनियां चिन्हित विस्थापित परिवारो के अलावे अन्य की जांच करने की सूचि सीओ आनंद प्रकाश तथा बीडीओ को सौपी। अधिकारी ने आश्वासन दिया कि एक सप्ताह के भीतर निदान तथा वरिय अधिकारी को पत्र भेज दिए जाएगें। बीडीओ ने कहा कि विस्थापित परिवारो को मुख्यमंत्री अवास योजना के तहत पक्का घर बनाने का प्रस्ताव जल्द भेज दिए गए हैं। उन परिवारो को पासबुक अधार शीघ्र भेजवाने का कष्ट करेगें। जनसंवाद कार्यक्रम में राजद प्रखंड अध्यक्ष शिवपरसन यादव,भाकपा माले के सचिव हरेंद्र सिंह,नगर सचिव बैजू कुशवाहा, जयशंकर प्रसाद, उतम, सुरेंद्र पासवान, झकड बिंद, विश्वकर्मा, दामोदर प्रसाद,रामायण पासवान, चितूर, शंकर यादव सहित कई लोग मौजूद थे।

काराकाट के गोडारी में रात के अंधेरे में अपराधियों ने एटीएम लूटने का किया प्रयास

- **पुलिस और लुटेरों के बीच रात में हुई अंधाधुन फायरिंग**
- **हथियार लहराते स्कॉर्पियो पर सवार होकर तीन लुटेरे हुए फरार**

केटी न्यूज/रोहतास

काराकाट नगर पंचायत के मुख्य बाजार गोडारी में शनिवार के रात करीब 3 बजे लुटेरों ने एसबीआई एटीएम पर हमला बोल दिया। पूर्व सरपंच स्व.विजय प्रसाद के मकान के पास स्थित इस एटीएम को तोड़ने की कोशिश में लगे 2-3 हथियारबंद लुटेरे पुलिस की गुप्त सूचना पर मौके पर पहुंची टीम से भिड़ गए। फायरिंग के बाद काले स्कॉर्पियो से वे बिक्रमगंज की ओर भाग निकले। लोगों ने बताया कि देर रात में फायरिंग की आवाज सुनकर सभी सहम गए। सुबह घटनास्थल पर एटीएम का शटर टूटा मिला

और विभिन्न औजारे और खोका बरामद हुए। लुटेरे एटीएम काटने या तोड़ने के उपकरण लेकर अंदर घुसे थे,लेकिन काराकाट पुलिस ने मौके पर धावा बोल दिया। लोगों के अनुसार दोनों पक्षों से 2-3 राउंड गोली चली, जिसमें पुलिस ने भी जवाबी कार्रवाई की। घटनास्थल से थाना प्रभारी रोहित कुमार ने 315 बोर का एक खोखा बरामद होने की पुष्टि की। काराकाट थाना क्षेत्र में बढ़ते लूट के मामले लोगों में भय का माहौल पैदा कर रहे हैं। यह सप्ताह में दूसरी ऐसी घटना है, इससे पहले भी इसी सप्ताह के मंगलवार को एक व्यापारी से 1.75 लाख की लूट मुख्य सड़क से दिनदहाड़े लूटने में लुटेरे सफल हुए थे।

लुटेरे का अभी तक पुलिस कोई ठोस सुराग नहीं ढूंढ पाई है, और आज सुबह इतनी बड़ी कांड सामने आई, हालांकि इस बार लुटेरे असफल रहे। ग्रामीणों का कहना है कि लुटेरे पोखरा की ओर से 30 मोरी होते हुए आए और राजमोहन के घर के पास से भागे। नगरवासी पुलिस से सतत गश्ती की मांग कर रहे हैं। थानाध्यक्ष रोहित कुमार ने बताया कि गुप्त सूचना पर गश्ती टीम समय रहते पहुंची और पकड़ने का प्रयास किया, लेकिन लुटेरे फरार हो गए। फोरेंसिक टीम ने घटनास्थल का मुआयना किया और एटीएम की जांच पूरी हो चुकी है। पुलिस जांच में जुटी है तथा लुटेरों को शीघ्र गिरफ्तार करने का भरोसा दिलाया। क्षेत्र में अपराधियों के हौसले बुलंद हैं, ऐसे में नगर और क्षेत्रवासि पुलिस की मुस्तैदी की मांग कर रही हैं।

बिहार में दुर्दांत अपराधियों के लिए सरकार बना रही हाई सिक्योरिटी जेल

एजेंसी। पटना

बिहार में दुर्गम पहाड़ी पर हाई सिक्योरिटी जेल बनाने की योजना, गंभीर अपराधियों को बाहरी दुनिया से पूरी तरह अलग रखा जाएगा, मोबाइल और इंटरनेट की सुविधा नहीं होगी। बिहार सरकार अपराधियों के लिए अब कालापानी जैसी सजा देने की तैयारी कर रही है। इसके तहत राज्य में एक नया हाई सिक्योरिटी जेल बनाया जाएगा, जहां कैदियों को बाहरी दुनिया से पूरी तरह अलग रखा जाएगा। यह जेल किसी दुर्गम इलाके की वीरान पहाड़ी पर स्थापित की जाएगी। यहां मोबाइल नेटवर्क और इंटरनेट नहीं पहुंचेगा, और जेल तक जाने वाली केवल एक ही सड़क होगी, जिसके हर हिस्से पर कड़ी सुरक्षा

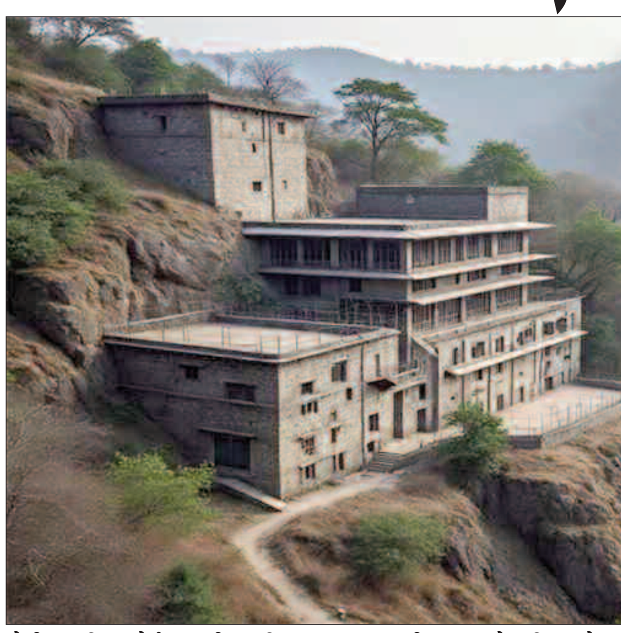

होगी, ताकि कोई बाहरी व्यक्ति आसपास भी न जा सके। बिहार के डिप्टी सीएम एवं गृह मंत्री सम्राट चौधरी ने इस योजना की जानकारी दी। बिहार विधानसभा के बजट सत्र के दौरान शुक्रवार को सदन में उन्होंने नया हाई सिक्योरिटी जेल बनाने की घोषणा की। बताया गया कि यह जेल गंभीर और अति गंभीर अपराधियों को रखने के लिए खास तौर पर बनाई जाएगी। सम्राट चौधरी ने कहा कि कई अपराधियों को जेल में रखने में अक्सर नाटक और सुरक्षा की समस्याएँ होती हैं। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के निदेर्शानुसार, सरकार ने इस जेल का निर्माण करने का निर्णय लिया है। यह जेल ऐसे पहाड़ी क्षेत्र में बनाई जाएगी, जहां न तो मोबाइल नेटवर्क पहुंचेगा और न ही कोई आ-जा सकेगा। जेल में बंद अपराधियों का बाहरी दुनिया से कोई संपर्क नहीं होगा। इस जेल का स्थान या जिले का विवरण अभी सामने नहीं आया है। फिलहाल बिहार में ऐसी कोई हाई सिक्योरिटी जेल नहीं है। हालांकि, भागलपुर सेंट्रल जेल को विशेष सुरक्षा वाली जेल बनाया गया है, जहां राज्य भर के कुख्यात अपराधियों को रखा जाता है। यह विचार भारत में अंग्रेजों के शासनकाल के दौरान अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह में स्थित पोर्ट ब्लेयर की सेलुलर जेल से प्रेरित है। उस जेल में स्वतंत्रता सेनानियों को मुख्य भूमि से दूर एकांत में रखा जाता था। वहां कैदियों को अंधेरी कालकोठरियों में रखा जाता और उन्हें अत्यंत कठोर यातनाएँ दी जाती थीं। इसी कारण इसे कालापानी की सजा कहा जाता था।

एक नजर

शराब के साथ एक गिरफ्तार,जेल

शाहपुर। करनामेपुर पुलिस ने अंग्रेजी शराब के साथ एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। करनामेपुर थानाध्यक्ष कन्हैया कुमार ने गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस बल के साथ 2.95 लीटर विदेशी शराब के साथ रितेश सिंह को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। वह करनामेपुर थाना क्षेत्र के ईश्वरपुरा गाँव का रहने वाला बताया जाता है।

पीरो में आज 4 घंटे विद्युत रहेगी आपूर्ति

पीरो। पीरो प्रखंड के चतुभुर्जी बरांव स्थित पावर ग्रिड से निकलने वाली 33 केवी डोमनडिहरा व कटरियां फीडर में रख-रखाव कार्य को लेकर हसनबाजार, अगिआंव बाजार, बसडीहां व डोमन डिहरा के एयार, खननीकलां फीडर में रविवार को पूर्वाह्न 11 बजे से अपराह्न 3 बजे तक विद्युत आपूर्ति ठप रहेगी। विद्युत कंपनी के अधिकारियों ने आमलोगों को किसी तरह की असुविधा से बचने के लिए रविवार को अपने विद्युत संबंधित कार्य पूर्वाह्न 11बजे से पहले निपटा लेने की सलाह दी है।

दरभंगा में प्रस्तावित ऐम्स को लेकर बढ़ी हलचल, एकमी शोभन बाईपास का होगा विस्तारीकरण

दरभंगा। दरभंगा में प्रस्तावित एम्स निर्माण को लेकर प्रशासनिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। शोभन एकमी बाईपास सड़क के विस्तारीकरण को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह सक्रिय हो गया है। करीब 150 फीट चौड़ी सड़क के विस्तारीकरण की योजना पर काम शुरू कर दिया गया है.इसी वाइपास के पंचोभ मौजा में एम्स का निर्माण कार्य किया जा रहा है। शनिवार को छह सदस्यीय टीम बाईपास क्षेत्र में पहुंची और सड़क किनारे के अतिक्रमण की स्थिति का जायजा लिया। टीम में शामिल अधिकारियों ने स्थल निरीक्षण करते हुए भूमि अधिग्रहण, जमीन सीमांकन (डिमार्केशन) और सड़क की फोटोग्राफी करवाई। अधिकारियों ने यह भी आकलन किया कि प्रस्तावित चौड़ीकरण के लिए कितनी भूमि की आवश्यकता होगी। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने कहा कि जल्द ही अतिक्रमणकारियों और प्रभावित जमीन मालिकों को नोटिस जारी किया जाएगा। जिनकी जमीन अधिग्रहित होगी, उन्हें नियमानुसार मुआवजा दिया जाएगा। बताया जाता है कि शोभन एक्मी बाईपास के पंचोभ मौजों में एम्स निर्माण की प्रक्रिया चल रही है। इसी को ध्यान में रखते हुए सड़क चौड़ीकरण की योजना को प्राथमिकता दी गई है। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने भी पूर्व में इस बाईपास के चौड़ीकरण की घोषणा की थी, जो अब धरातल पर उतरती नजर आ रही है। एम्स निर्माण और सड़क चौड़ीकरण से क्षेत्र के विकास को नई गति मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

मधेपुरा में ड्यूटी पर जाने से पहले विशेष सशस्त्र पुलिस हवलदार की मौत

मधेपुरा। मधेपुरा में चाय पीने के बाद बिहार विशेष सशस्त्र पुलिस के हवलदार श्यामल किशोर शर्मा की तबीयत अचानक बिगड़ गयी। आनन-फानन में उन्हें मधेपुरा सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मधेपुरा जिले के खोपैती गांव में बिहार विशेष सशस्त्र पुलिस के हवलदार श्यामल किशोर शर्मा की अचानक तबीयत बिगड़ने से मौत हो गई। वह मूल रूप से सहरसा जिले के बनगांव थाना क्षेत्र स्थित बरियाही बाजार के रहने वाले थे और वर्तमान में बेगूसराय में तैनात थे। परिजनों के अनुसार वो मधेपुरा स्थित अपनी मौसी के घर आए थे और सुबह ड्यूटी पर लौटने की तैयारी कर रहे थे। इसी दौरान चाय पीने के कुछ देर बाद उन्हें तेज पसीना और सीने में दर्द की शिकायत हुई। जिसके बाद परिजन तुरंत उन्हें लेकर सदर अस्पताल पहुंचे, जहां के डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही परिजनों के बीच कोहराम मच गया। घर में मातमी सन्नाटा पसरा हुआ है। परिजनों के आंखों के आंसू थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करा परिजनों को सौंप दिया। प्रथमदृष्टया मामला हार्ट अटैक माना जा रहा है।

वैशाली सदर अस्पताल में बच्चा चोरी के शक में महिला की पिटाई, पुलिस ने भीड़ से बचाया

पटना। वैशाली जिले के सदर अस्पताल परिसर में बच्चा चोरी का आरोप लगाकर लोगों ने एक महिला की अस्पताल के निकट सड़क पर पिटाई कर दी। इस दौरान मौके पर अफरातफरी मच गई। चोरी के आरोप में महिला की पिटाई की सूचना पर सैकड़ों महिला पुरुष की भीड़ जुट गई। लोगों ने महिला की जमकर पिटाई कर दी। घटना की जानकारी डायल 112 की पुलिस एवं नगर थानाध्यक्ष सिकंदर कुमार को दी गई। सूचना मिलते ही थानाध्यक्ष मौके पर पहुंचकर लोगों की भीड़ से महिला को अपने साथ थाने पर ले गये। पुलिस महिला से पूछताछ के बाद आवश्यक कार्रवाई में जुटी है। बच्चा चोरी का आरोप सराय थाना क्षेत्र की रहने वाली महिला पर लगाया गया है। फिलहाल पुलिस महिला से पूछताछ एवं सीसीटीवी फुटेज की जांच पड़ताल कर आवश्यक कार्रवाई में जुटी है। सराय थाना क्षेत्र निवासी बलिराम सिंह की इंदु देवी बताई गई। महिला ने बताया कि वह अपने इलाज के लिए सदर अस्पताल आई थी। लोगों ने बच्चा चोरी का आरोप लगाकर पिटाई की। मिली जानकारी के अनुसार सदर अस्पताल एक महिला इलाज के लिए ओपीडी में आई थी। इसी दौरान वह किसी बच्चे के सिर पर हाथ रख दिया। परिजनों ने बच्चा चोरी का आरोप लगाया। अस्पताल प्रशासन के द्वारा महिला से पूछताछ की गई उसके बाद मामला को शांत कर दिया गया। महिला जब सदर अस्पताल परिसर से बाहर सड़क पर निकली तो लोगों ने बच्चा चोरी किया आरोप लगाकर पिटाई शुरू कर दी। लोगों ने बच्चे चोरी का आरोप लगाकर महिला की दौड़ा दौड़ा कर पिटाई शुरू कर दिया। इस संबंध में नगर थाना अध्यक्ष सिकंदर कुमार ने बताया कि सूचना मिला कि बच्चे चोरी का आरोप लगाकर एक महिला की लोगों के द्वारा पिटाई की जा रही है। मौके पर पहुंचकर महिला को थाने पर लाकर पूछताछ की जा रही है। उन्होंने कहा कि लोगों ने झुठे आरोप लगाकर महिला के साथ पिटाई की है।

बड़हरा प्रखंड में प्रशिक्षु आईएएस सैयद आदिल मोहसिन को दी गई विदाई

भोजपुर। प्रखंड बड़हरा में तीन माह के प्रखंड स्तरीय प्रशिक्षण पूर्ण होने पर आईएएस अधिकारी सैयद आदिल मोहसिन को शनिवार (22.02.2026) को सामूहिक विदाई दी गई। उन्होंने प्रशिक्षण अवधि में प्रखंड कार्यालय एवं अंचल कार्यालय में कार्य का अनुभव प्राप्त किया। विदाई समारोह में बीडीओ मोहित भारद्वाज, अंचलाधिकारी प्रसून कुमार सहित प्रखंड एवं अंचल के अधिकारियों, कर्मियों व जनप्रतिनिधियों ने माला, पुष्पगुच्छ और शॉल देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम का संचालन उमेश कुमार सुमन ने किया। अधिकारियों व कर्मचारियों ने अपने संबोधन में कहा कि प्रशिक्षण अवधि में सैयद आदिल मोहसिन का मार्गदर्शन, मृदुभाषी स्वभाव, समयबद्ध कार्यशैली और आमजन से मिलनसार व्यवहार प्रेरणादायक रहा।

बिहार में न्यूक्लिर पावर प्लांट स्थापित करने की दिशा में कार्रवाई तेज, सर्वे का काम हुआ पूरा

एजेंसी। पटना

बिहार में परमाणु ऊर्जा संयंत्र स्थापना की दिशा में बड़ा कदम, एनपीसीआईएल का प्रारंभिक सर्वे पूरा। बांका के शंभूगंज और भितरिया क्षेत्र सबसे उपयुक्त, जल आपूर्ति को लेकर गंगा से पाइपलाइन पर विचार। बिहार की बढ़ती ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए राज्य सरकार और केंद्र ने बड़ा कदम उठाया है। ठढउक्छ ने बिहार में परमाणु ऊर्जा संयंत्र स्थापित करने के लिए प्रारंभिक सर्वेक्षण पूरा कर लिया है।

पटना स्थित विद्युत भवन में ऊर्जा सचिव मनोज कुमार सिंह की अध्यक्षता में हुई उच्चस्तरीय बैठक में बताया गया कि बांका जिले के शंभूगंज और भितरिया क्षेत्र इस परियोजना के लिए सबसे उपयुक्त पाए गए हैं। बैठक में एनटीपीसी और एनपीसीआईएल की टीमों ने अपनी तकनीकी रिपोर्ट साझा की। सर्वे में इन क्षेत्रों की कम आबादी और पथरीली जमीन को भारी संरचना के लिए अनुकूल बताया गया है। रिपोर्ट के अनुसार, ये दोनों स्थान नवादा के रजौली और सिवान के संभावित स्थलों से आगे हैं। हालांकि, परमाणु संयंत्र के संचालन के लिए निरंतर और पर्याप्त जल आपूर्ति बड़ी चुनौती है। रिएक्टर को ठंडा रखने के लिए भारी मात्रा में पानी की जरूरत होती है, जबकि चयनित स्थलों पर फिलहाल स्थायी जल स्त्रोत उपलब्ध नहीं है। जल आपूर्ति के लिए दो विकल्पों पर विचार हो रहा है पहला, गंगा नदी से पाइपलाइन के जरिए पानी पहुंचाना, दूसरा नेपाल से आने वाली नदियों पर बड़े जलाशय बनाना। अधिकारियों का मानना है कि गंगा सबसे बड़ा और विश्वसनीय स्त्रोत हो सकती है। सिवान जिले में भी सर्वे जारी है, लेकिन भूकंपीय जोन में होने के कारण वहां अतिरिक्त सुरक्षा जांच की आवश्यकता होगी। परमाणु परियोजनाओं में सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन अनिवार्य होता है। बता दें कि भारत सरकार ने वर्ष 2047 तक 100 गीगावाट परमाणु ऊर्जा उत्पादन का लक्ष्य रखा है। बढ़ती बिजली मांग को देखते हुए बिहार में प्रस्तावित यह संयंत्र न केवल राज्य के औद्योगिकीकरण को गति देगा, बल्कि राष्ट्रीय ऊर्जा ग्रिड को भी मजबूती प्रदान करेगा।

बिहार : 2 लाख से ज्यादा किसानों को सीएम नीतीश कुमार की सौगात, 100 करोड़ रुपये की राशि करेंगे

एजेंसी। पटना

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार शनिवार (21 फरवरी) को 2 लाख से अधिक किसानों के बीच 100 करोड़ की राशि जारी करेंगे. ये वो किसान हैं, जिनकी फसलें पिछले दिनों आए तूफान और बेमौसम बारिश के कारण बर्बाद हो गई थीं. उइ्ळ के जरिये किसानों के बैंक खाते में राशि भेजेंगे. इसको लेकर मुख्यमंत्री आवास में कार्यक्रम का भी आयोजन सुबह 10:30 बजे से किया गया है. जिसमें सीएम नीतीश, डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी, डिप्टी सीएम विजय सिन्हा, कृषि मंत्री रामकृपाल यादव, कृषि विभाग के वरीय अधिकारी मौजूद रहेंगे. बिहार सरकार की कोशिश है कि किसानों को बिना किसी बिचौलिए के पारदर्शी तरीके से आर्थिक मदद समय पर दी जाए. कृषि विभाग द्वारा प्राप्त आवेदनों के सत्यापन के बाद प्रभावित किसानों की सूची तैयार की गई है. अनुदान की राशि फसल क्षति के प्रकार के आधार पर तय की गई है. फसल क्षति के आधार पर अनुदान की दरें कुछ इस तरह तय हैं. जिसमें असिंचित क्षेत्र 8,500 प्रति हेक्टेयर, सिंचित क्षेत्र 17,000 प्रति हेक्टेयर और शाश्वत फसलें (जैसे गन्ना) 22,500 प्रति हेक्टेयर की गई हैं. न्यूनतम सहायता असिंचित क्षेत्र के लिए 1 हजार और सिंचित क्षेत्र के लिए 2 हजार अनिवार्य है. यह अनुदान अधिकतम 2 हेक्टेयर तक की भूमि के लिए देय होगा मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पैदल चलने वाले लोगों की सुविधा और सुरक्षा को लेकर बड़ा ऐलान किया है. इसे लेकर परिवहन विभाग को निर्देश दिए हैं. सीएम ने सड़क सुरक्षा के मानकों को ध्यान में रखते हुए राज्य के शहरी इलाकों में खासकर भीड़-भाड़ वाले जगहों को चिह्नित कर जल्द फुटपाथ बनाने का निर्देश दिया गया है. वहीं मुख्यमंत्री ने सड़कों पर पैदल चलने वाले लोगों की सुविधा के लिए चिह्नित जगहों पर जेब्रा क्रॉसिंग बनाने का निर्देश दिया गया है. साथ ही चिह्नित जगहों पर फुट ओवर ब्रिज/एस्केलेटर और अंडरपास बनाने का निर्देश दिया गया है।

भाजपा और कांग्रेस में अंतर

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा लोकतांत्रिक पार्टी है और इसके अध्यक्ष को लेकर कोई भ्रम नहीं है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि बिहार के ही नितिन नवीन जब राष्ट्रीय अध्यक्ष बने, तो किसी को पहले से पता नहीं था। इसके विपरीत, कांग्रेस पार्टी के लोग भारत विरोधी हैं और भारत के समिट को परेशान करने का प्रयास कर रहे हैं।

सरकारी और निजी गाड़ी चालकों को ट्रेनिंग का निर्देश

सभी सरकारी और निजी गाड़ी चालकों को ट्रेनिंग देने का निर्देश दिया गया है, ताकि गाड़ी चालक सड़कों पर पैदल चलने वाले लोगों के अधिकारों के प्रति संवेदनशील हो सकें. राज्य के ग्रामीण और शहरी इलाकों में अधिक सड़क दुर्घटना की संभावना वाली जगहों को चिह्नित कर पैदल यात्रियों के लिए फुटपाथ का निर्माण और सीसीटीवी कैमरा लगाने का निर्देश दिया गया है, ताकि उसका आकलन कर सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सके।

एक नजर

पटना में सिपाही भर्ती परीक्षा में धांधली, शारीरिक परीक्षा के दौरान 4 मुन्ना भाई गिरफ्तार

पटना। सिपाही बहाली से जुड़ी बड़ी खबर पटना से आ रही है। जहां कॉस्टेबल भर्ती परीक्षा के दौरान 4 मुन्ना भाई को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। केंद्रीय चयन पर्षद द्वारा आयोजित सिपाही बहाली की प्रक्रिया में धांधली का बड़ा मामला सामने आया है। शारीरिक दक्षता परीक्षा में सेंधमारी के आरोप में गर्दनीबाग थाने की पुलिस ने चार मुन्ना भाई को गिरफ्तार किया है। अबतक करीब तीन दर्जन से अधिक मुन्ना भाई की गिरफ्तारी हो चुकी है। पुलिस के अनुसार, लिखित परीक्षा पास कराने के नाम पर 50 हजार रुपये लेकर सेटिंग करने की बात सामने आई है। अरवल के आलोक कुमार पर 50 हजार रुपये लेकर अभ्यर्थियों को लिखित परीक्षा पास कराने का आरोप है। गिरफ्तार अन्य आरोपियों में सारण के राजेश कुमार, दो जगह से फजीर्वाड़े की कोशिश करने वाले लखीसराय का रणवीर कुमार, अपने भाई की जगह परीक्षा देने के आरोप में औरंगाबाद के संजीत को गिरफ्तार किया गया है। सिपाही भर्ती परीक्षा में स्कॉलर बैठाने और एक जगह से अधिक जगह पर खुद एग्जाम देने का भी मामला सामने आया है। जांच में खुलासा हुआ है कि कुछ अभ्यर्थी दूसरे के स्थान पर परीक्षा देने आए थे। पुलिस को संदेह है कि इसके पीछे संगठित गिरोह सक्रिय है, जो पैसे लेकर भर्ती प्रक्रिया में गड़बड़ी करा रहे थे। गर्दनीबाग थाने की पुलिस ने बताया कि सभी आरोपियों से पूछताछ की जा रही है। इनके नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। भर्ती प्रक्रिया की पारदर्शिता बनाए रखने के लिए जांच तेज कर दी गई है। इस कार्रवाई के बाद सिपाही भर्ती परीक्षा में फजीर्वाड़े पर बड़ी चोट मानी जा रही है।

मुंगेर में 1.60 करोड़ की लागत से बना निबंधन कार्यालय, उद्घाटन से पहले दीवारों में दरारें

मुंगेर। मुंगेर के हवेली खड़गपुर प्रखण्ड में एक करोड़ 60 लाख रुपए की लागत से बने नवनिर्मित निबंधन कार्यालय का उद्घाटन कल 22 फरवरी को होने वाला है। जिस कार्यालय भवन का बिहार के डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी उद्घाटन करेंगे उसमें दीवारों पर दरारें दिखाई देने लगी है। इन दरारों को अब भरने का काम किया जा रहा है। इस काम में मजदूर लगे हुए हैं। 22 फरवरी से पहले दीवार की सभी दरारों को भरने का निर्देश दिया गया है। मुंगेर में 22 फरवरी की सुबह करीब 10 बजे हवेली खड़गपुर प्रखंड स्थित नवनिर्मित निबंधन कार्यालय भवन का उद्घाटन बिहार के उपमुख्यमंत्री सह गृह मंत्री सम्राट चौधरी करने जा रहे हैं। लेकिन इस भवन के उद्घाटन के पूर्व ही भवन की दीवारों पर कई जगहों पर दरारें नजर आने लगी है। जिससे भवन की गुणवत्ता पर अब सवाल खड़े हो रहे हैं। बावजूद इसके ठेकेदार द्वारा इन दरारों की रंगाई पुताई करने के लिए मजदूरों को लगाया गया है। जब इस संबंध में भवन निर्माण विभाग के कार्यपालक अभियंता से पूछा गया और इस मामले से संबंधी इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य प्रस्तुत किया गया तो बावजूद इसके मामले की छानबीन के बजाए उल्टा वो पत्रकारों से ही सवाल करने लगे और मामले की लीपापोती करने लगे। जबकि इस भवन की रंगाई पुताई करने वाले व्यक्ति ने कैमरा के सामने कहा कि दीवार की दरारों को ढकने का काम ठेकेदार ने दिया है। जहां भी दरारें दिख रही है, उसकी रंगाई पुताई का काम किया जा रहा है। अब सवाल यह उठता है कि जिनके कंधों पर भवन निर्माण की जिम्मेदारी होती है, उन्होंने निर्माण की गुणवत्ता की जांच क्यों नहीं की। वहां हो रहे काम का निरीक्षण क्यों नहीं किया। कल 22 फरवरी को भवन का उद्घाटन होने वाला है और आज भी भवनों के दीवारों में दरारें दिख रही है।

सम्राट चौधरी का यूथ कांग्रेस प्रदर्शन पर तीखा हमला, उठाई राजद्रोह का मामला दर्ज करने की मांग

एजेंसी। पटना

बिहार के गृह मंत्री एवं उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी दो दिवसीय दौरे पर शनिवार की देर शाम मुंगेर के परिसदन भवन पहुंचे। यहां उन्होंने दिल्ली के भारत मंडप में आयोजित इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 के दौरान यूथ कांग्रेस के कार्यकताओं द्वारा किए गए प्रदर्शन पर टिप्पणी की।सम्राट चौधरी ने कहा कि समिट के दौरान शर्ट उतारकर प्रदर्शन करने वाले यूथ कांग्रेस के कार्यकर्ता भारत विरोधी हैं और उनकी कोशिश भारत में राजतंत्र स्थापित करने की है। उन्होंने कहा कि कुछ लोग सत्ता के पीछे अपने परिवार के लिए काम कर रहे हैं और लोकतंत्र की जगह एक परिवार आधारित राजतंत्र चाहते हैं।उपमुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा लोकतांत्रिक पार्टी है और इसके अध्यक्ष को लेकर कोई भ्रम नहीं है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि बिहार के ही नितिन नवीन जब राष्ट्रीय अध्यक्ष बने, तो किसी को पहले से पता नहीं था। इसके विपरीत, कांग्रेस पार्टी के लोग भारत विरोधी हैं और भारत के समिट को परेशान करने का प्रयास कर रहे हैं।सम्राट चौधरी ने स्पष्ट कहा कि यूथ कांग्रेस के प्रदर्शनकारियों पर राजद्रोह का मामला दर्ज होना चाहिए और ऐसे लोगों के खिलाफ कार्रवाई करके जेल भेजा जाना चाहिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि एआई समिट भारत का समिट है और इसे किसी भी हालत में बाधित नहीं किया जाना चाहिए। उपमुख्यमंत्री की यह प्रतिक्रिया ऐसे समय में आई है जब भारत एआई समिट 2026 में तकनीकी, युवा और वैश्विक सहभागिता को लेकर महत्वपूर्ण चर्चा हो रही है।

राजद्रोह का मामला दर्ज करने की मांग

सम्राट चौधरी ने स्पष्ट कहा कि यूथ कांग्रेस के प्रदर्शनकारियों पर राजद्रोह का मामला दर्ज होना चाहिए और ऐसे लोगों के खिलाफ कार्रवाई करके जेल भेजा जाना चाहिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि एआई समिट भारत का समिट है और इसे किसी भी हालत में बाधित नहीं किया जाना चाहिए। उपमुख्यमंत्री की यह प्रतिक्रिया ऐसे समय में आई है जब भारत एआई समिट 2026 में तकनीकी, युवा और वैश्विक सहभागिता को लेकर महत्वपूर्ण चर्चा हो रही है।

डॉक्टर के क्वार्टर से एक्सपायर्ड मेडिसिन बरामद, लाखों की जीवन रक्षक दवाएं कमरे में पड़ी हुई बेकार

एजेंसी। पटना

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पताही में स्वास्थ्य विभाग की बड़ी लापरवाही उजागर हुई है। चिकित्सा प्रभारी के लिए आवंटित आवास की सफाई के दौरान एक कमरे से भारी मात्रा में दवाएं बरामद हुईं, जो पूरी तरह एक्सपायर पाई गईं। प्रारंभिक अनुमान के अनुसार इन दवाओं की कीमत लाखों रुपये बताई जा रही है। यह खुलासा न केवल प्रशासनिक ढिलाई को दशार्ता है, बल्कि स्वास्थ्य व्यवस्था की कार्यप्रणाली पर भी गंभीर प्रश्न खड़े करता है। जानकारी के अनुसार हाल ही में केंद्र पर नए चिकित्सा प्रभारी की नियुक्ति हुई है। प्रभार ग्रहण करने के बाद जब प्रभारी आवास की सफाई कराई गई, तब एक कमरे में दवाओं के कई कार्टन और पैकेट पड़े मिले। जांच में स्पष्ट हुआ कि वहां रखी सभी दवाएं एक्सपायर हो चुकी हैं। दवाओं का समय पर वितरण या उपयोग न कर उन्हें कमरे में छोड़ दिया गया, जिससे वे बेकार हो गईं। मामला इसलिए और चिंताजनक है क्योंकि क्षेत्र के मरीज लंबे समय से अस्पताल में दवाओं की कमी की शिकायत करते रहे हैं। कई जरूरतमंदों को बाजार से महंगी दवाएं खरीदनी पड़ती हैं। ऐसे में सरकारी स्टॉक का इस तरह नष्ट

हो जाना सीधे तौर पर मरीजों के अधिकारों और सरकारी धन की बबार्दी से जुड़ा मुद्दा बन गया है। वर्तमान चिकित्सा प्रभारी डॉ. शंकर बैठा ने बताया कि उन्हें हाल ही में जिम्मेदारी सौंपी गई है और पूर्व प्रभारी द्वारा पूर्ण रूप से प्रभार हस्तांतरण अभी नहीं हुआ था। उन्होंने कहा कि आवास की सफाई के दौरान ही दवाएं मिलीं और सभी एक्सपायर थीं। उन्होंने आश्वासन दिया कि पूरे मामले की जानकारी वरीय अधिकारियों को दी जाएगी, ताकि जांच कर उचित कार्रवाई की जा सके। स्थानीय लोगों ने उच्चस्तरीय जांच की मांग की है। उनका कहना है कि यदि समय पर दवाओं का वितरण हुआ होता तो मरीजों को राहत मिलती और सरकारी संसाधनों की बबार्दी नहीं होती। अब निगाहें स्वास्थ्य विभाग पर टिकी हैं कि इस गंभीर लापरवाही पर कितनी तेजी और पारदर्शिता से कार्रवाई होती है।

सहरसा में जमीन विवाद में अधिवक्ता पुत्र की हत्या का खुलासा, तीन भाइयों को किया गया गिरफ्तार

एजेंसी। पटना

बिहार के सहरसा जिले में 18 फरवरी को सिमराहा चौक के पास 13 वर्षीय अधिवक्ता पुत्र अंकित आनंद की हत्या का पुलिस ने पदार्फाश कर दिया है। जांच में यह सामने आया कि यह जघन्य अपराध जमीन के रास्ते को लेकर चल रहे पुराने विवाद की वजह से किया गया था। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी और उसके भाइयों को सलाखों के पीछे भेज दिया है।घटना के तुरंत बाद मृतक के पिता, अधिवक्ता अनुज कुमार निराला की लिखित शिकायत पर सदर थाना में अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। घटना की संवेदनशीलता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक हिमांशु के निर्देश पर सदर एसडीपीओ आलोक कुमार के नेतृत्व में विशेष जांच दल का गठन किया गया। दल ने एफएसएल, डॉग स्क्वॉड और डीआईयू की मदद से वैज्ञानिक तरीके से तफ्तीश शुरू की। पुलिस टीम ने घटनास्थल और आसपास के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। चश्मदीदों के बयानों और फुटेज के गहन विश्लेषण से मुख्य आरोपी पवन कुमार की पहचान हुई। पवन सिमराहा के वार्ड नंबर 35 निवासी सुधाकर ठाकुर का बेटा है।सुराग मिलते ही पुलिस ने छापेमारी तेज कर दी। सिमराहा स्थित घर से पवन के दो भाइयों संतोष ठाकुर और मंतोष ठाकुर को गिरफ्तार किया गया। वहीं, मुख्य आरोपी पवन कुमार को खगड़िया जिले के मानसी थाना क्षेत्र के रोहियार गांव से दबोचा गया। गिरफ्तारी के दौरान वारदात के समय पहने गए कपड़े और हेलमेट भी बरामद किए गए। आरोपियों की निशानदेही पर पुलिस ने बसनही से हत्या में इस्तेमाल की गई 'राइडर' बाइक, एक अपाचे मोटरसाइकिल और एक मोबाइल फोन जब्त किया। इसके अलावा एक फरार सहयोगी के कपड़े मधेपुरा जिले के पुरैनी से बरामद किए गए। पुलिस की कड़ी पूछताछ में आरोपियों ने जुर्म कबूल किया। उन्होंने बताया कि मृतक के परिवार द्वारा खरीदी गई जमीन पर रास्ते को लेकर उनका पुराना विवाद था। इसी रंजिश में उन्होंने सुनियोजित तरीके से हत्या की। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार तीनों भाइयों का पहले भी आपराधिक रिकॉर्ड है। अन्य फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार संभावित ठिकानों पर छापेमारी कर रही है और उनके खिलाफ इनाम घोषित करने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है।

पटना यूनिवर्सिटी स्टूडेंट यूनियन चुनाव स्थगित, 28 फरवरी को होना था मतदान

एजेंसी। पटना

पटना यूनिवर्सिटी ने बड़ा फैसला लिया है। पीयू में छात्र संघ चुनाव फिलहाल नहीं होगा। इसे स्थगित कर दिया गया है। पटना विश्वविद्यालय ने 2025-26 छात्र संघ चुनाव को फिलहाल रद्द कर दिया है। बता दें कि 28 फरवरी 2026 को छात्र संघ चुनाव के लिए मतदान होना था। कई अप्रत्याशित घटनाओं को देखते हुए पीयू को यह फैसला लेना पड़ गया। प्रत्याशी अनाधिकृत प्रवेश, नारेबाजी और चुनाव आचार संहिता का उल्लंघन कर रहे थे। शिक्षकों एवं विश्वविद्यालय पदाधिकारी के साथ भी अमर्यादित व्यवहार किया गया था। पटना यूनिवर्सिटी ने जो लेटर जारी किया उसमें इस बात का जिक्र किया गया है कि पटना विश्वविद्यालय छात्र संघ

चुनाव 2025-26 के मतदान की तिथि 28 फरवरी, 2026 को निर्धारित थी। पटना विश्वविद्यालय परिसर में विगत कुछ दिनों में अमर्यादित एवं अप्रत्याशित घटनाएं हुई थी। एजैसे-पटना वीमेंस कॉलेज परिसर में छात्रों के एक गुट द्वारा बिना अनुमति अनाधिकृत प्रवेश कर नारेबाजी करना, चुनाव आचार संहिता का उल्लंघन (छपा हुआ बैनर पोस्टर का प्रयोग, महँगी चार पहिया वाहनों का उपयोग, चुनाव प्रचार के लिए निर्धारित समयावधि से पूर्व ही प्रचार शुरू किया जाना), साथ ही 21-02-2026 को पटना साइंस कॉलेज में एक कक्षा में घुसकर छात्रों द्वारा शिक्षक के साथ एवं पटना विश्वविद्यालय के पदाधिकारियों के साथ अमर्यादित व्यवहार किया गया। इन घटनाओं के मद्देनजर पटना विश्वविद्यालय छात्र संघ चुनाव 2025-26 को तत्काल प्रभाव से अगले आदेश तक स्थगित किया जाता है।इसकी प्रतिलिपि महामहिम राज्यपाल के प्रधान सचिव, बिहार लोक भवन, पटना (2) सचिव, उच्च शिक्षा विभाग, बिहार सरकार, पटना (3) निदेशक, उच्च शिक्षा विभाग, बिहार सरकार, पटना (4) सभी संकायों के संकायाध्यक्ष, पटना विश्वविद्यालय (2) सभी विभागों के विभागाध्यक्ष, पटना विश्वविद्यालय (5) सभी महाविद्यालय के प्रधानाचार्य, पटना विश्वविद्यालय (6) कुलानुशासक, पटना विश्वविद्यालय (7) मुख्य चुनाव पदाधिकारी, पटना विश्वविद्यालय (8) पटना विश्वविद्यालय के सभी पदाधिकारीगण एवं (9) कुलपति के सचिव, पटना विश्वविद्यालय को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्य के लिए प्रेषित की गयी है। आज ही कुछ देर पहले पटना यूनिवर्सिटी छात्र संघ चुनाव को लेकर ऑल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन (अक्रअ)ने अपने केंद्रीय पैनल के प्रत्याशियों की घोषणा की थी। ऑल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन की ओर से अध्यक्ष पद के लिए सबा आफरीन, महासचिव पद के लिए अदिति सिंह और उपाध्यक्ष पद के लिए विवेक सिंह को चुनाव के मैदान में उतारा था। शनिवार को प्रेस वार्ता बुलाकर प्रत्याशियों ने छात्रों से समर्थन की अपील की और भरोसा दिलाया कि यदि उन्हें मौका मिला तो कैंपस के माहौल को बेहतर बनाया जाएगा।अध्यक्ष पद की उम्मीदवार सबा आफरीन ने कहा था कि वर्तमान समय में छात्राओं को कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कैंपस में यौन उत्पीड़न, फीस वृद्धि और सामाजिक असुरक्षा जैसे मुद्दों को प्रमुख बताया था। महासचिव पद की उम्मीदवार अदिति सिंह ने विश्वविद्यालय में बुनियादी सुविधाओं की कमी पर सवाल उठाये थे। कहा था कि छात्रों को पर्याप्त हॉस्टल सुविधा तक उपलब्ध नहीं है और बाथरूम जैसी मूलभूत व्यवस्थाएं भी संतोषजनक नहीं हैं।वहीं उपाध्यक्ष पद के उम्मीदवार विवेक सिंह ने कहा था कि यदि छात्रों का विश्वास अक्रअ पर बना तो कैंपस में बेहतर शैक्षणिक और सामाजिक माहौल बनाने के साथ-साथ हॉस्टल और कॉलेज की व्यवस्थाओं को दुरुस्त कराया जाएगा लेकिन इन वादों के बीच ही छात्र चुनाव को फिलहाल स्थगित कर दिया गया।

सिमराहा गोलीकांड का खुलासा : जमीन विवाद में अधिवक्ता के 13 वर्षीय पुत्र की हत्या, तीन आरोपी गिरफ्तार

एजेंसी। पटना

बिहार में जमीन को लेकर विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। जमीन के लिए ही 13 साल के बालक की हत्या सहरसा में की गयी थी। इस हत्याकांड का खुलासा आज पुलिस ने किया है। सिमराहा चौक के पास हुए चर्चित गोलीकांड का उद्भेदन करते हुए सहरसा पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जांच में यह बात सामने आई है कि 13 वर्षीय बालक की हत्या के पीछे पुराना जमीन विवाद मुख्य कारण था।पुलिस के अनुसार 18 फरवरी 2026 को सिमराहा चौक के पास गोली लगने से गंभीर रूप से घायल एक 13 वर्षीय बालक को सदर अस्पताल सहरसा लाया गया था। प्राथमिक उपचार के बाद उसे बेहतर ईलाज के लिए उच्च चिकित्सा संस्थान रेफर किया गया, जहां ईलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। घटना के बाद मृतक के अधिवक्ता पिता के आवेदन पर सदर थाना में अज्ञात अपराधियों के खिलाफ कांड संख्या 186/26 दर्ज किया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर सदर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी आलोक कुमार के नेतृत्व में एसआईटी का गठन किया गया। जांच के दौरान जिला आसूचना इकाई, एफएसएल टीम और डॉग स्क्वॉड की भी मदद ली गई। पुलिस टीम ने घटनास्थल और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज का गहन विश्लेषण किया।